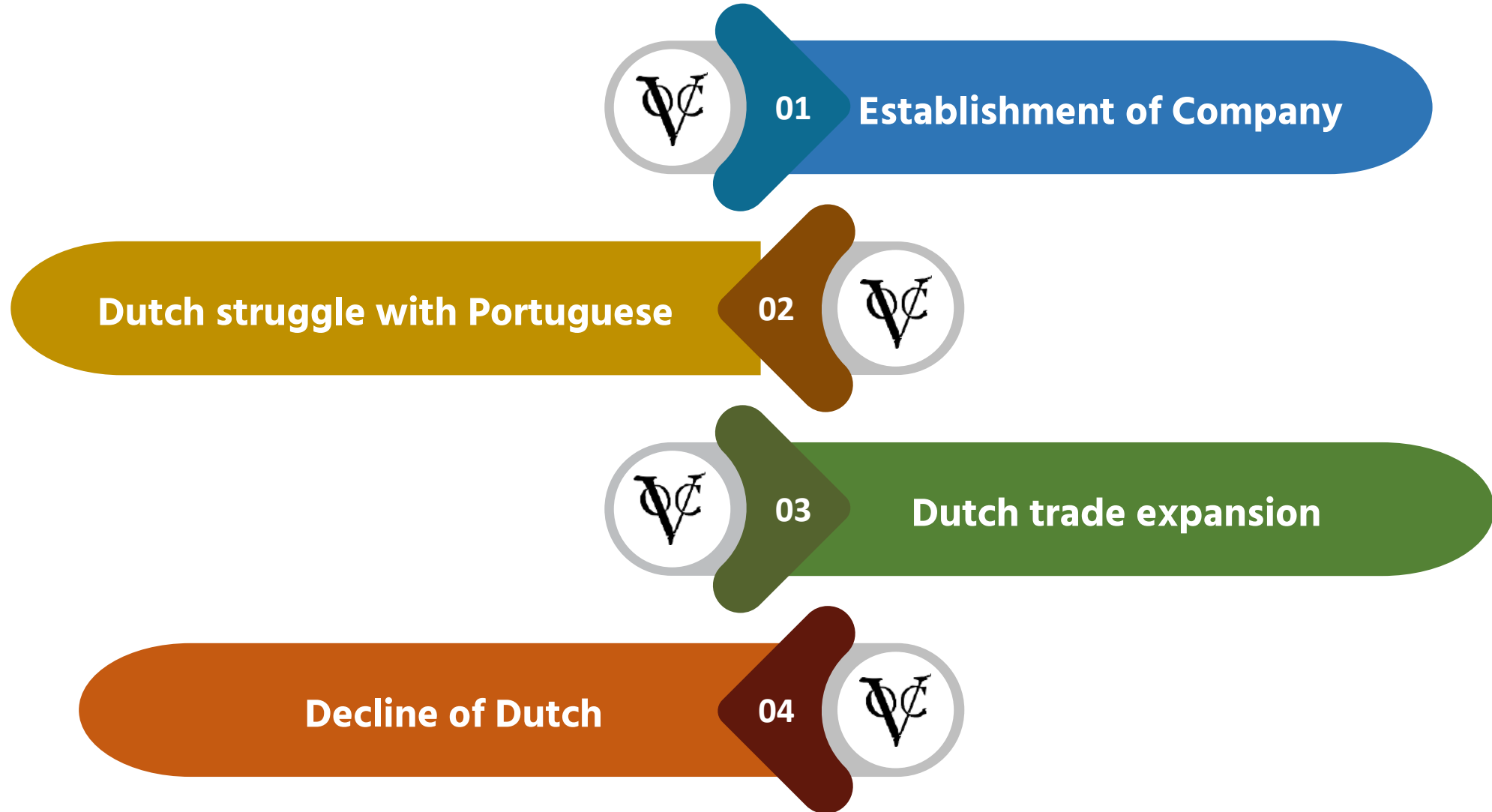
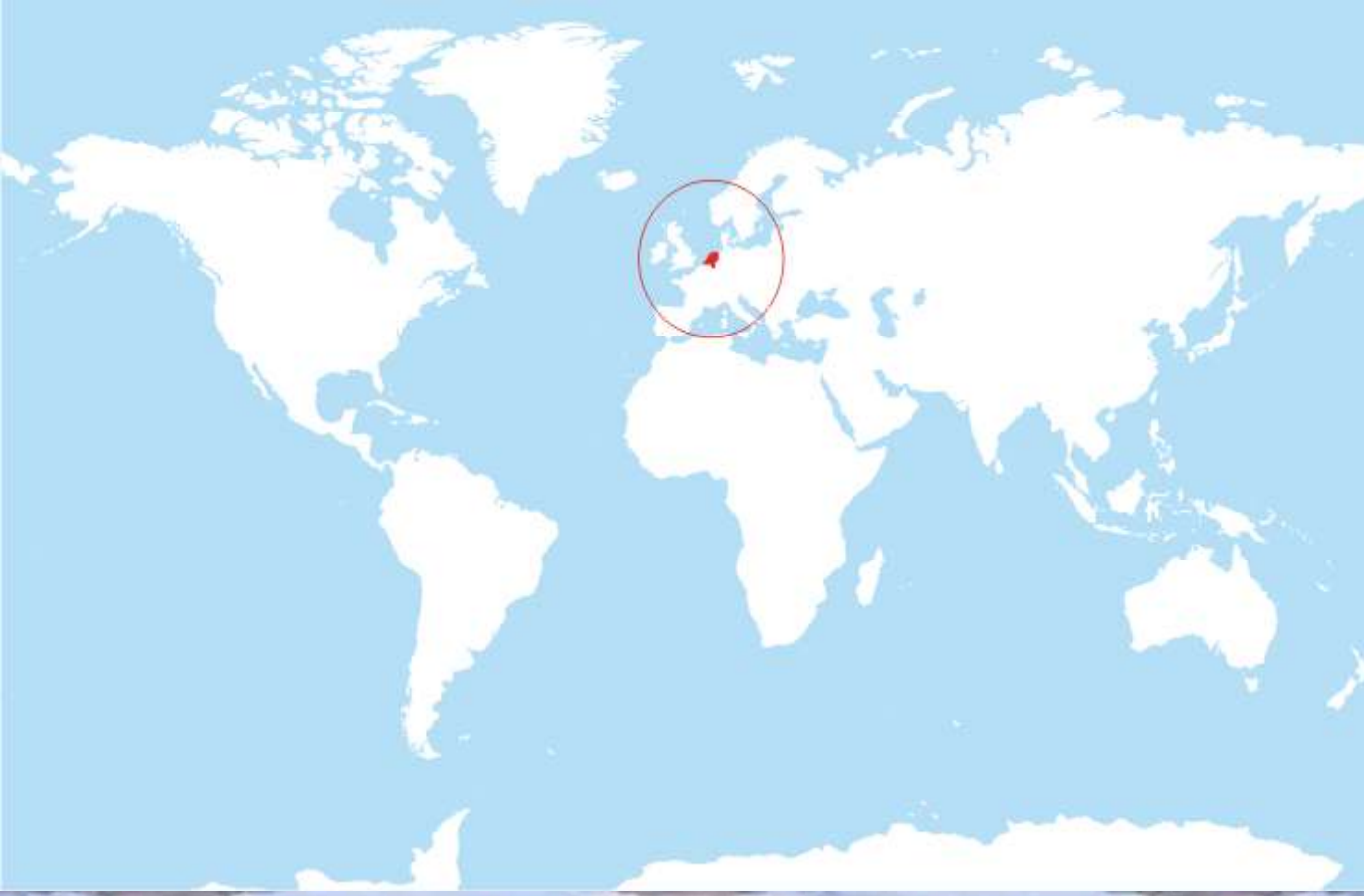


5) डच || Dutch – नीदरलैंड/हॉलैंड के निवासी



5) Dutch - Netherlands/Holland residents





Establishment of the Dutch East India Company

The Dutch East India Company



1596

- कार्नेलियस डेहस्तमान सुमात्रा तथा भारत पहुंचा (प्रथम डच नागरिक)

1602

- डच संसद ने यूनाइटेड ईस्ट इंडिया कंपनी ऑफ नीदरलैंड (Veree..) को स्थापित किया (संयुक्त उपक्रम कंपनी)

1605

- मसूलीपट्टनम में प्रथम भारतीय फैक्ट्री

1610

- पुलिकट में एकमात्र किला बंद फैक्ट्री की स्थापना (नाम - गोल्ड्रिया)

1610

- गोल्ड्रिया में पगोडा नामक स्वर्ण सिक्के

1616

- सूरत में फैक्ट्री

1619

- इंडोनेशिया के जकार्ता में स्थित बैटेविया को मुख्यालय बनाया

1627

- बंगाल के पीपली में पहली फैक्ट्री

1641

- पुर्तगालियों से मलक्का छीना

1658

- पुर्तगालियों से श्रीलंका छीना

1658

- पुलिकट के बाद भारत में नागपट्टनम को केंद्र बनाया

1759

- अंग्रेज व डचों के मध्य बेदरा का युद्ध

1795

- भारत छोड़कर चले गए

1596 → ▪ Cornelius Dehstamann reached Sumatra and India (1st Dutch citizen)

1602 → ▪ Dutch Parliament established United East India Company of Netherlands

1605 → ▪ First Indian factory in Masulipatnam

1610 → ▪ Establishment of only fortified factory in Pulicat (name - Goldria)

1610 → ▪ Gold coins called pagodas in goldrea

1616 → ▪ First factory in Peepli, Bengal

1619 → ▪ Headquartered at Batavia in Jakarta, Indonesia

1627 → ▪ Factory in surat

1641 → ▪ Portuguese snatched Malacca

1658 → ▪ Captured Sri lanka from portuguese

1658 → ▪ After Pulicat, Nagapatnam was made center in India.

1759 → ▪ Battle of Bedra between British and Dutch

1795 → ▪ Left India

1) कम्पनी की स्थापना || Establishment of company

नाम :- यूनाइटेड ईस्ट इंडिया कंपनी ऑफ नीदरलैंड्स || Verenigde Oostindische Compagnie (1602)

कारण - पुर्तगालियों को पूर्व से होने वाला लाभ

मुख्यालय - बटाविया (इंडोनेशिया)

प्रथम भारतीय केंद्र - मसूलिपटनम

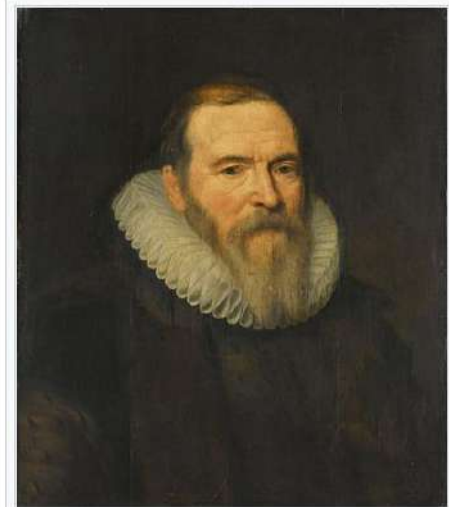
संयुक्त कंपनी (17 सदस्यीय बोर्ड)

प्रारंभिक पूंजी - 6500000 गिल्डर

- **1602 :-** डच संसद ने कंपनी को 21 वर्षों का पूर्वी व्यापार एकाधिकार दिया
- **उद्देश्य :-** एशियाई मसाला व वस्त्र व्यापार द्वारा लाभ अर्जन
- **विशेषता :-**
 - ≠ भारत से ज्यादा इंडोनेशिया(मसाला द्वीप) पर बल
 - ≠ भारत को वस्त्र व्यापार का केंद्र बनाया
 - ≠ भारत के कोरोमंडल तट पर ज्यादा व्यापार
 - ≠ भारतीय मुख्यालय - पुलीकट



Amsterdam VOC HQ



The "United East India Company", or "United East Indies Company" (also known by the abbreviation "VOC" in Dutch) was the brainchild of [Johan van Oldenbarnevelt](#), the leading statesman of the Dutch Republic.

1) Establishment of company

Name :- United East India Company of Netherlands || Verenigde Oostindische Compagnie (1602)

Reason – Huge profit of Portuguese from east

Headquarters - Batavia (Indonesia)

First Indian Centre - Masulipatnam

Joint Company (17 Member Board)

Starting Capital - 6500000 Gilder

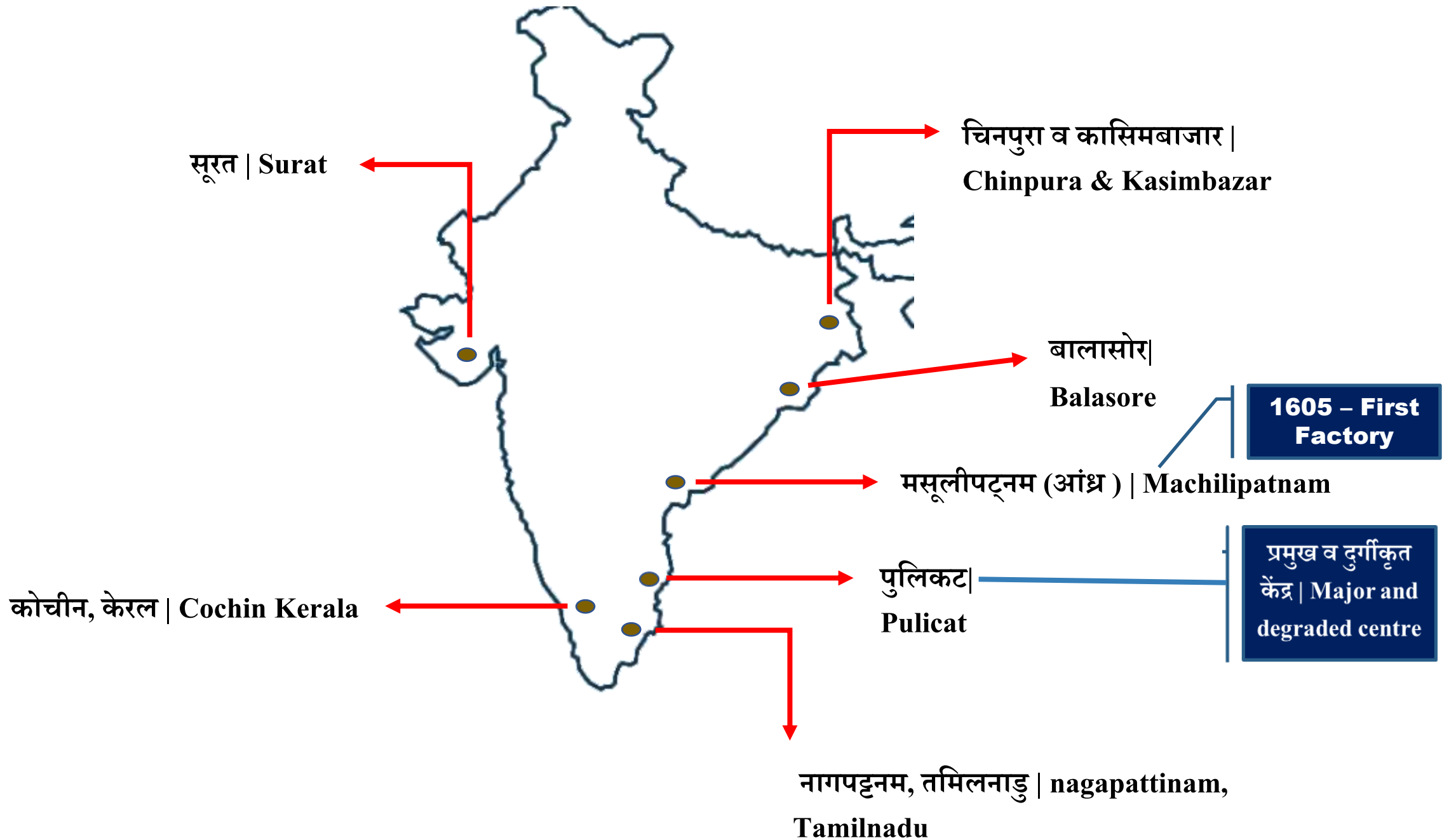
- **1602 :-** The Dutch Parliament granted the company a 21-year eastern trade monopoly rights
- **Objective :-** Make profit by asian spice and textile trade
- **Other characteristics :-**
 - ⌘ Emphasis on Indonesia (Spice Island) more than India
 - ⌘ Made India the center of textile trade
 - ⌘ More trade on India's Coromandel Coast
 - ⌘ Indian Headquarters - Pullicat



Amsterdam VOC HQ



The "United East India Company", or "United East Indies Company" (also known by the abbreviation "VOC" in Dutch) was the brainchild of [Johan van Oldenbarnevelt](#), the leading statesman of the Dutch Republic.



2) डचों का पुर्तगालियों से संघर्ष

■ **कारण :-** व्यापारिक प्रतिस्पर्धा



1. 1602 ई में डचों ने पुर्तगालियों को बंटम के निकट युद्ध में परास्त किया
2. 1605 ई में डचों ने पुर्तगालियों से अम्बोइना छीन लिया
3. 1619 ई में उन्होंने जकार्ता पर अधिकार कर लिया और डच राजधानी बटाविया का निर्माण किया
4. 1639 ई में उन्होंने गोवा की नाकेबंदी की
5. 1641 ई में मलक्का पर अधिकार कर लिया
6. 1658 में श्रीलंका में पुर्तगालियों की बस्तियों पर अधिकार कर लिया

3) डच व्यापार का विस्तार

- 1) पुर्तगालियों के प्रभाव को समाप्त करके डचों ने मसाले के व्यापार पर एकाधिकार कर लिया
- 2) पूर्वी द्वीपसमूह (इंडोनेशिया) में भारत के सूती कपड़े की और भारत में पूर्वी मसालों की अच्छी खपत थी
- 3) वे भारत में पूर्वी द्वीपसमूह से मसाले, चन्दन की लकड़ी, कालीमिर्च, जापान से तांबा और चीन से रेशमी वस्त्र लाते थे
- 4) इसी प्रकार वे भारत से पूर्वी द्वीपसमूह को अनेक चीजों का निर्यात करते थे जैसे - नील, अफीम, सूती वस्त्र, रेशम, शोरा और चावल
- 5) इस व्यापार से डचों को एक लाभ यह था कि उन्हें सोना खर्च नहीं करना पड़ता था, अदला-बदली के आधार पर ही व्यापार चलाया जा सकता था

2) Dutch struggle with Portuguese

Reason :- Trading competition



1. In 1602, Dutch defeated Portuguese in the battle near Bantam.
2. In 1605, Dutch took Amboina from Portuguese.
3. In 1619, he took control of Jakarta and built Dutch capital, Batavia.
4. Blocked Goa in 1639 AD.
5. Captured Malacca in 1641 AD
6. Captured Portuguese settlements in Sri Lanka in 1658

3) Expansion of Dutch business

- 1) Dutch monopolized spice trade by eliminating the Portuguese influence.
- 2) Good consumption of cotton cloth from India in the eastern archipelago (Indonesia) and eastern spices in India
- 3) They brought spices from the eastern archipelago to India, sandalwood, black pepper, copper from Japan and silk from China.
- 4) Similarly, they exported many things from India to the eastern archipelago such as indigo, opium, cotton, silk, saltpetre and rice.
- 5) An advantage to the Dutch from this trade was that they did not have to spend gold, trade could be carried out only on the basis of exchange.

5) प्रमुख व्यापारिक केंद्र –

- पुलीकट (1610ई)
- सूरत (1616ई)
- विमिलिपट्टम (1641ई)
- चिनसुरा (1653ई)
- कासिमबाज़ार (मुर्शिदाबाद के निकट)
- बालासोर
- पटना
- नेगापट्टम (1658)
- कोचीन (1663ई)

4) डचों का पतन || Decline of Dutch

1) बेदरा (कर्नाटक का युद्ध) 1759



2) पतन के कारण :-

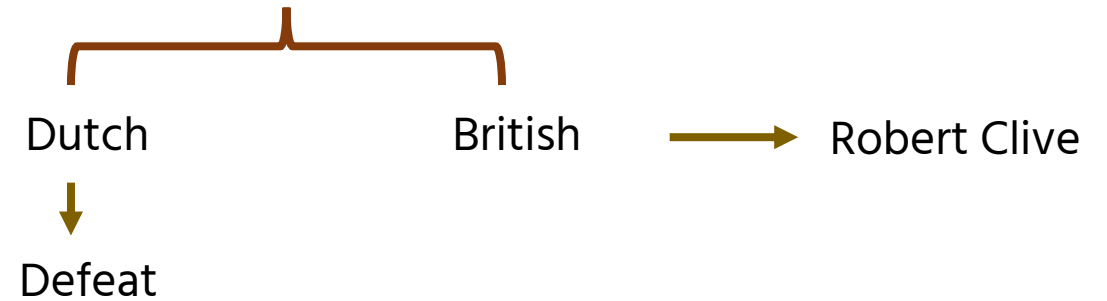
- डच कंपनी में सरकार का ज्यादा हस्तक्षेप
- अंग्रेजों का कुशल नेतृत्व तथा सशक्त नौसेना
- साधनों का अभाव
- डच कम्पनी के अधिकारियों का कम वेतन
- दक्षिण पूर्वी एशिया के मसाला द्वीपों की अपेक्षा भारत पर कम ध्यान
- यूरोप में ब्रिटेन तथा फ्रांस से संघर्ष

5) Major trading center –

- Pulicat (1610E)
- Surat (1616 AD)
- Vimalipatam (1641 AD)
- Chinsurah (1653 AD)
- Kasimbazar (near Murshidabad)
- Balasore
- Patna
- Negapatam (1658)
- Cochin (1663 AD)

4) Decline of Dutch

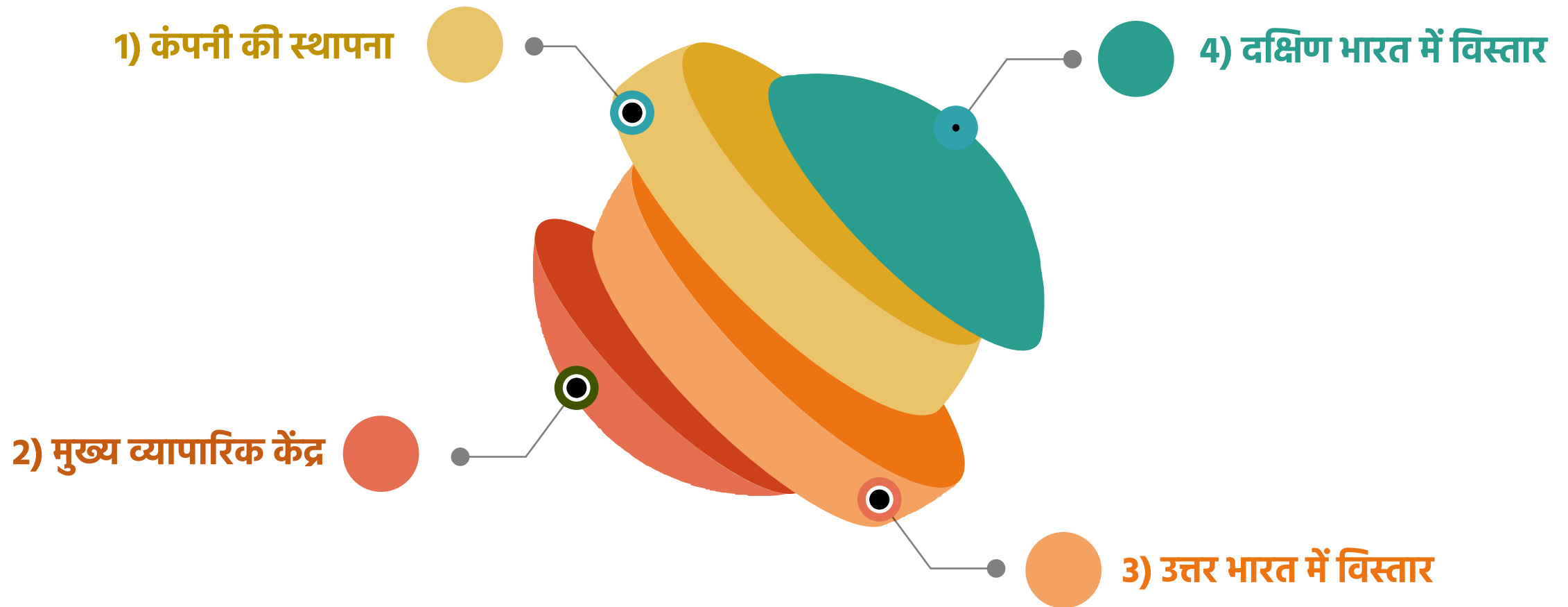
1) Bedra (Battle of Carnatic) 1759



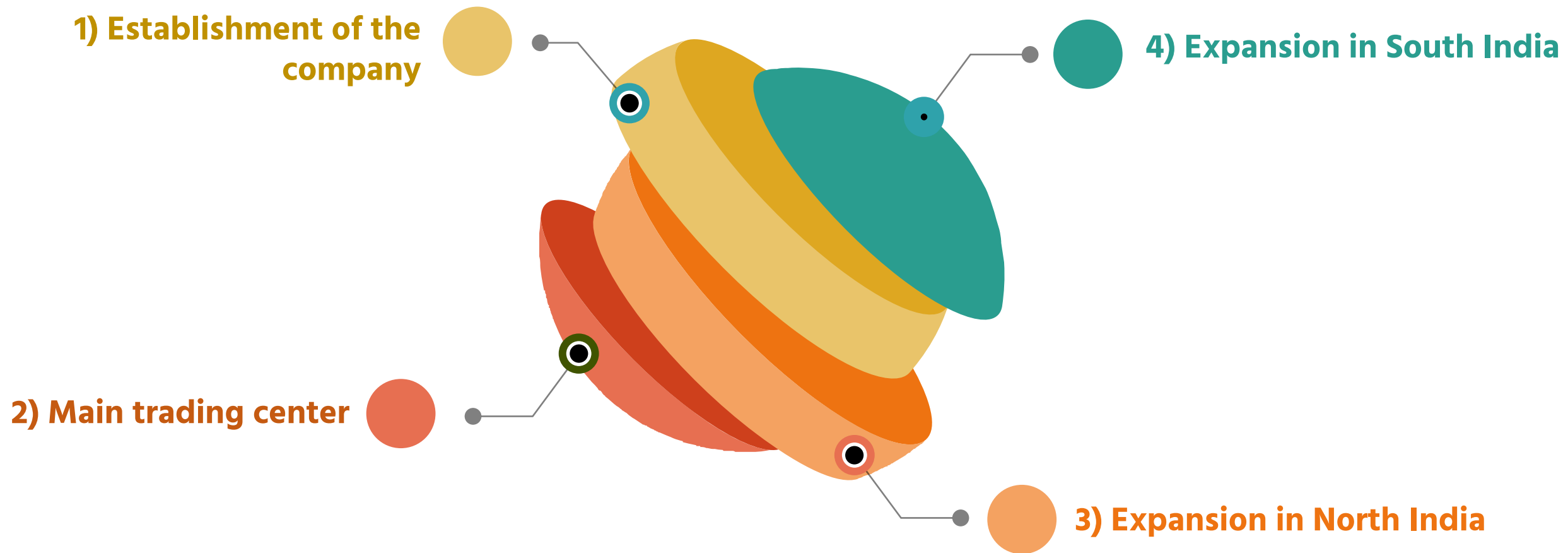
2) Reasons of the fall :-

- More government interference in the Dutch company
- Efficient leadership of the British and a strong navy
- Lack of resources
- Low salary of dutch company's executives
- Less attention on India than spice islands of South East Asia
- Conflict with Britain and France in Europe

6) अंग्रेज || Britisher



6) Britisher



1588

- स्पेन और पुर्तगाल की नौसेना (आरमेडा) को अंग्रेजों ने हराया

1597

- जॉन मिलडेन हॉल स्थल मार्ग से भारत आने वाला प्रथम अंग्रेज

1600

- गवर्नर एंड कंपनी ऑफ मर्चेन्ट ऑफ लंदन ट्रेडिंग इन टू द ईस्ट इंडिया की स्थापना

1600

- ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ ने कंपनी को पूर्वी व्यापार हेतु 15 वर्षों का एकाधिकार दिया

1608

- कैप्टन हॉकिंस रेड ड्रैगन नामक जहाज से सूरत पहुंचा

1609

- महाराजा जेम्स प्रथम ने पूर्वी व्यापारिक एकाधिकार को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाया

1611

- दक्षिण में मसूलीपट्टनम में प्रथम फैक्ट्री की स्थापना

1612

- अंग्रेजों तथा पुर्तगालियों के मध्य स्वैली होल का युद्ध

1613

- जहांगीर ने अंग्रेजों को सूरत में फैक्ट्री खोलने की अनुमति दी

1615

- जेम्स प्रथम ने टॉमस रो को जहांगीर से मिलने भेजा

1632

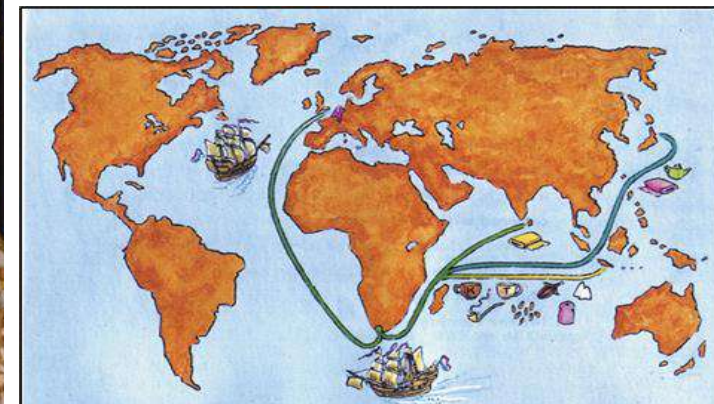
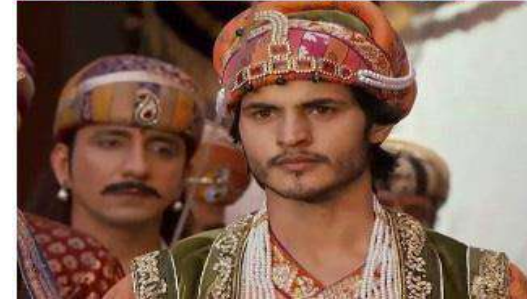
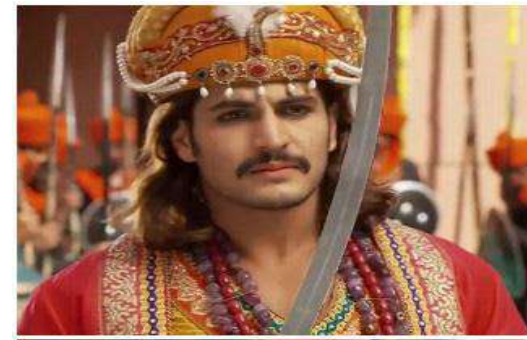
- गोलकुंडा के सुल्तान द्वारा सुनहरा फरमान दिया गया

1633

- पूर्वी भारत में अंग्रेजों ने अपना पहला कारखाना उड़ीसा में खोला

1639

- अंग्रेजों ने चंद्र नगर के राजा से मद्रास को पट्टे पर लिया



1588

- The Spanish and Portuguese Navy (Armeda) were defeated by the British

1597

- John Mildenhall first Englishman to come to India by land route

1600

- Establishment of Governor and Company of Merchants of London Trading into the East Indies

1600

- Britain's Queen Elizabeth granted the Company a 15-year monopoly on Eastern trade

1608

- Captain Hawkins reached Surat by a ship called Red Dragon

1609

- King James I extended the Eastern trading monopoly for indefinite time.

1611

- Establishment of the first factory at Masulipatnam in the South

1612

- Battle of Swally (suvali) between the British and the Portuguese

1613

- Jahangir allowed the British to open a factory in Surat

1615

- James I sent Thomas Roe to meet Jahangir

1632

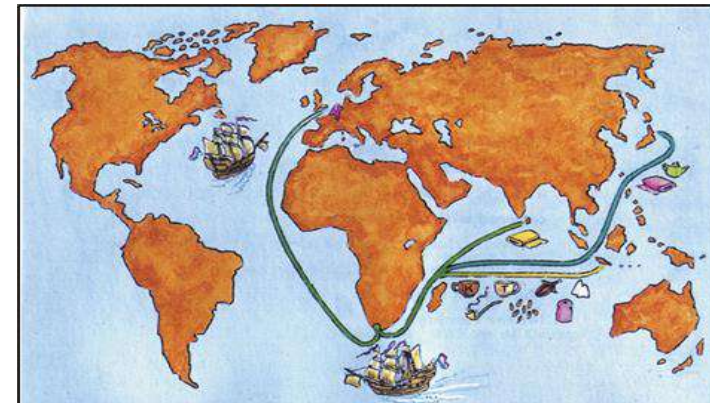
- Golden decree given by the Sultan of Golconda

1633

- The British opened their first factory in Orissa in Eastern India.

1639

- The British leased Madras from the Raja of Chandra Nagar.



1640

- मद्रास में फोर्ट सेंट जॉर्ज की स्थापना

1651

- ब्रिजमैन द्वारा हुगली में फैक्ट्री की स्थापना

1667

- औरंगजेब ने अंग्रेजों को बंगाल में व्यापार करने हेतु फरमान जारी किया

1661

- चार्ल्स द्वितीय ने कंपनी को मुद्रा, न्याय और संधि का अधिकार दिया व गवर्नर नियुक्त करने का अधिकार भी मिला

1662

- चार्ल्स द्वितीय का पुर्तगाली राजकुमारी कैथरीन से विवाह

1668

- चार्ल्स द्वितीय ने 10 पौंड वार्षिक किराए पर कंपनी को बम्बई दिया

1677

- गेराल्ड अंगियार ने मुंबई नगर की नींव डाली

1686

- औरंगजेब ने अंग्रेजों को हराया जिस कारण उन्हें फुल्टा द्वीप जाना पड़ा

1687

- मुख्यालय सूरत से मुंबई लाया गया

1698

- बंगाल के सूबेदार अजीमुशान ने अंग्रेजों को कालिकाता, सुतानती और गोविंदपुर की जमीनदारी दी

1700

- जॉब चरनॉक ने कोलकाता की स्थापना की तथा फोर्ट विलियम भी बनाया

1715

- जॉन शर्मन के नेतृत्व में ब्रिटिश मंडल मुगल बादशाह फर्रुखसियर से मिला (डॉक्टर विलियम हैमिल्टन)

1717

- फर्रुखसियर द्वारा शाही फरमान या मैग्राकार्टा जारी किया गया



St. George Fort in Chennai



1640

- Establishment of Fort St. George in Madras

1651

- Establishment of factory in Hooghly by Bridgeman

1667

- Aurangzeb issued a decree (Farman) to the British to trade in Bengal

1661

- Charles II gave company right of currency, justice, treaty and to appoint a governor.

1662

- The marriage of Charles II to the Portuguese princess Catherine

1668

- Charles II gave Bombay to the Company at an annual rent of £10

1677

- Gerald Aungier laid the foundation of the city of Mumbai

1686

- Aurangzeb defeated the British due to which he had to go to Fulta Island

1687

- Headquarters moved from Surat to Mumbai

1698

- Subedar Ajimushshan of Bengal gave land holdings of Kalikata, Sutanuti and Govindpur

1700

- Job Charnock founded Kolkata and also built Fort William

1715

- British delegation under leadership of John Sherman met Mughal emperor Farrukhsiyar (Dr. William Hamilton)

1717

- The royal decree or Magna Carta issued by Farrukhsiyar



St. George Fort in Chennai



1813

- कंपनी के व्यापारिक एकाधिकार को कम किया गया

1833

- कंपनी के व्यापारिक एकाधिकार की समाप्ति

1858

- कंपनी के प्रशासनिक एकाधिकार की समाप्ति

1874

- ईस्ट इंडिया कंपनी को बंद किया गया



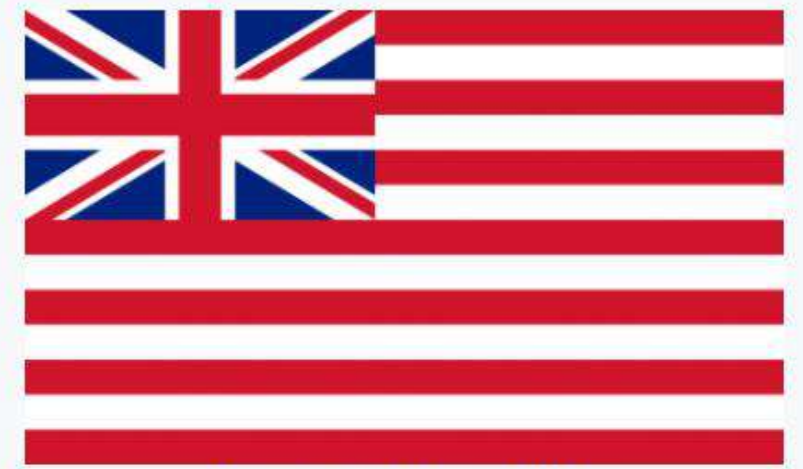
Robert Clive became the first British Governor of Bengal after he had instated Mir Jafar as the Nawab of Bengal



An East India Company coin, struck in 1835



An English soldier apologising to Emperor Aurangzeb.



Company flag (1801)



Coat of arms (1698)

1813

- Trading monopoly of Company was reduced

1833

- Trading monopoly of Company was ended.

1858

- End of the administrative monopoly of the company

1874

- East India Company was closed



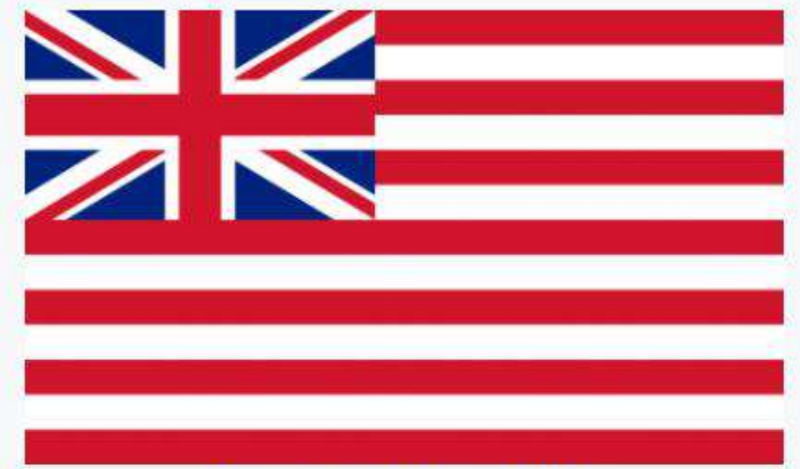
Robert Clive became the first British Governor of Bengal after he had instated Mir Jafar as the Nawab of Bengal



An East India Company coin, struck in 1835



An English soldier apologising to Emperor Aurangzeb.



Company flag (1801)



Coat of arms (1698)

1) कंपनी की स्थापना || Establishment of company

Governor and Company of Merchants of London Trading into the East-Indies

गठन :-
31 दिसंबर 1600

संस्थापक :-
जॉन वॉट व थॉमस
स्मिथ

प्रथम गवर्नर :-
थॉमस स्मिथ

निजी कंपनी -
निदेशक मंडल(24)
द्वारा संचलित

प्रथम केंद्र :- सूरत
(1608)

1600 में महारानी
एलिजाबेथ द्वारा 15
वर्ष व 1609 में राजा
जेम्स प्रथम द्वारा
अनिश्चित काल हेतु
पूर्वी व्यापारिक
एकाधिकार

1) भारत में :-
■ अकबर (1542-1605)
■ जहाँगीर (1605-1625)

2) उद्देश्य :- एशियाई व्यापार द्वारा लाभ अर्जन

3) अन्य तथ्य :-

- 1) दक्षिण भारत में प्रथम केंद्र - मसूलीपटनम
- 2) प्रारंभिक मुख्यालय - सूरत



Sanjiv Mehta

1) Establishment of company

Governor and Company of Merchants of London Trading into the East-Indies

Formation :-
31 December
1600

Founded by :-
John Watt and
Thomas Smith

First Governor :-
Thomas Smith

Private
Company - Run
by Board of
Directors (24)

First Center :-
Surat (1608)

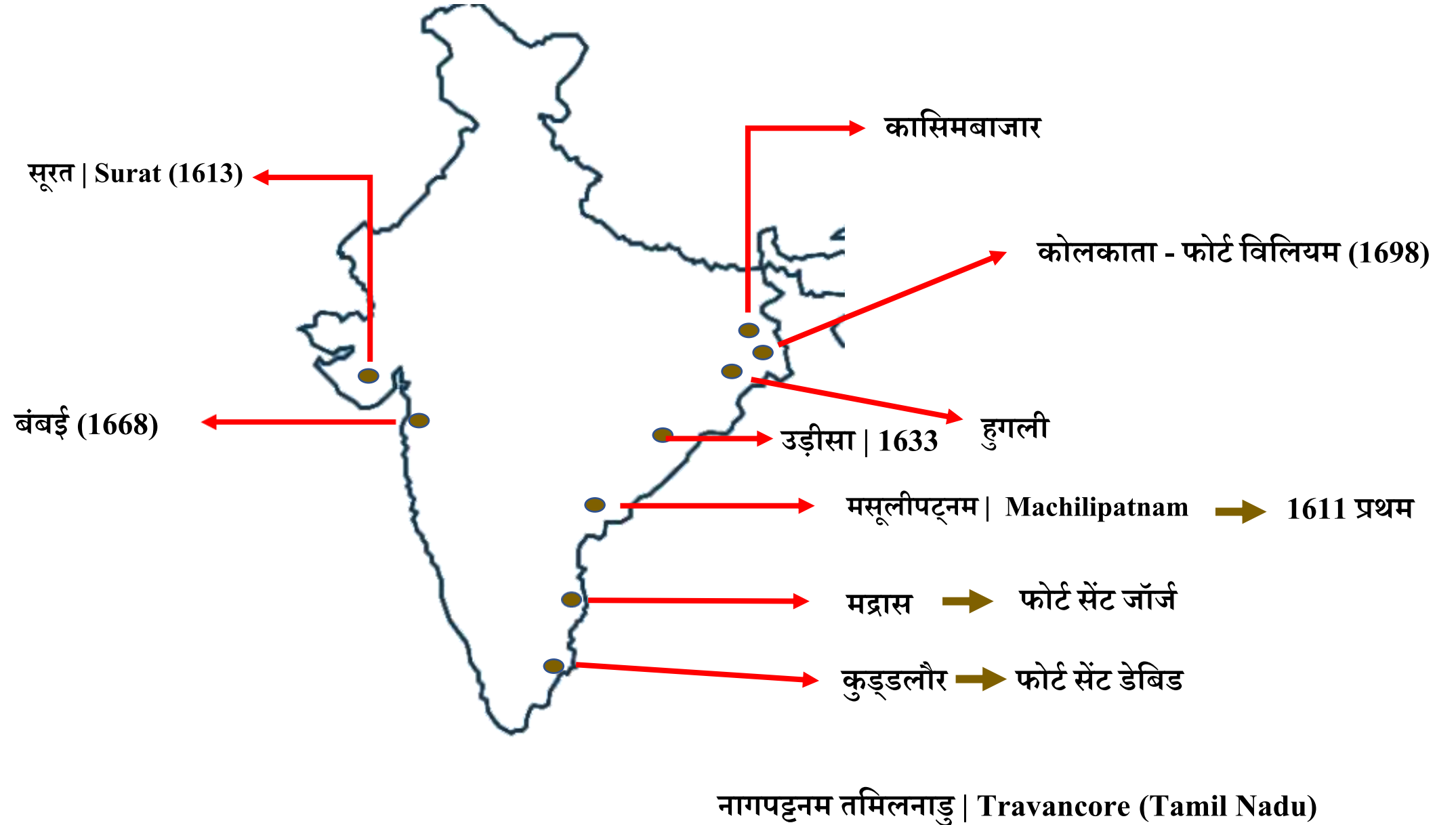
Monopoly for
trading in East
for 15 years by
Queen
Elizabeth in
1600 and for
indefinitely by
King James I in
1609

- 1) In India :-
- Akbar (1542-1605)
 - Jahangir (1605-1625)
- 2) Objective :- Profit making by Asian trade.
- 3) Other facts :-
- 1) First center in South India - Machilipatnam
 - 2) Initial Headquarter - Surat

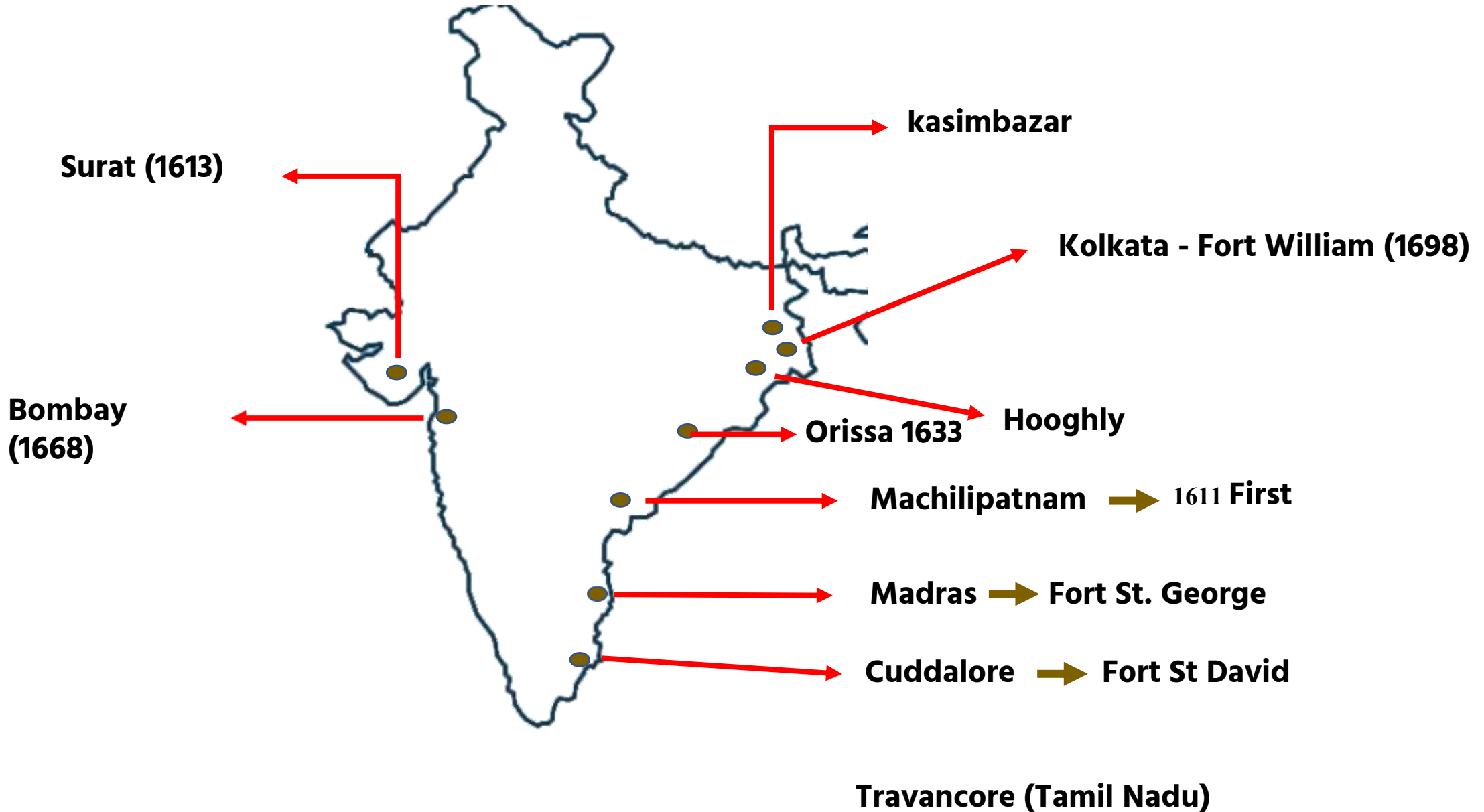


Sanjiv Mehta

2) मुख्य व्यापारिक केंद्र || Major trading centre



2) Major trading centre



3) उत्तर भारत में विस्तार || Expansion to North India

3.1) जहांगीर काल
(1605-1625)

3.2) औरंगजेब काल
(1658-1707)



3) Expansion towards North India

3.1) Jahangir Reign
(1605-1625)

3.2) Aurangzeb Reign
(1658-1707)



3.1) जहांगीर काल (1605-1625)

1) कैप्टन विलियम हॉकिंस



- 1) 24 अगस्त 1608 को मुगल बादशाह जहांगीर के दरबार में आने वाला अंग्रेज व्यापारी(आगरा)
- 2) तुर्की व फारसी में संवाद
- 3) प्रभावित होकर मुगल सम्राट ने 400 का मनसब व इंग्लिश खां की उपाधि दी
- 4) हालांकि पुर्तगाली वर्चस्व के कारण व्यापारिक वार्ता में असफल



2) स्वाली का युद्ध(1612)



- 1) **स्थान :-** सूरत के निकट
- 2) पुर्तगाल नौसेना व गुजरात गवर्नर बनाम अंग्रेज
- 3) **अंग्रेजी कमांडर :-** टॉमस वेस्ट
- 4) **परिणाम :-** पुर्तगालियों की हार तथा 1613 में अंग्रेजों को सूरत में फैक्ट्री खोलने की अनुमति मिली



3) सर टॉमस रो (1615-1619)



- 1) 1615 में ब्रिटिश सम्राट जेम्स प्रथम के राजदूत के रूप में जहांगीर के दरबार में आया
- 2) **उद्देश्य :-** भारत में व्यापारिक विस्तार
- 3) **परिणाम :-** मुगल साम्राज्य के प्रदेशों में फैक्ट्री खोलने की अनुमति



3.1) Jahangir Reign (1605-1625)

1) Captain William Hawkins



- 1) English merchant visiting the court of Mughal emperor Jahangir on 24 August 1608 (Agra).
- 2) Conversation in Turkish and Farsi
- 3) Impressed, Mughal emperor gave a mansab of 400 and the title of English Khan.
- 4) However, trade negotiations failed due to Portuguese domination.



2) Battle of Swally (1612)



- 1) **Location** :- Near Surat
- 2) Portugal Navy and Gujarat Governor Vs British
- 3) **English Commander** :- Thomas West
- 4) **Result** :- The defeat of the Portuguese and in 1613 the British got permission to open a factory in Surat.



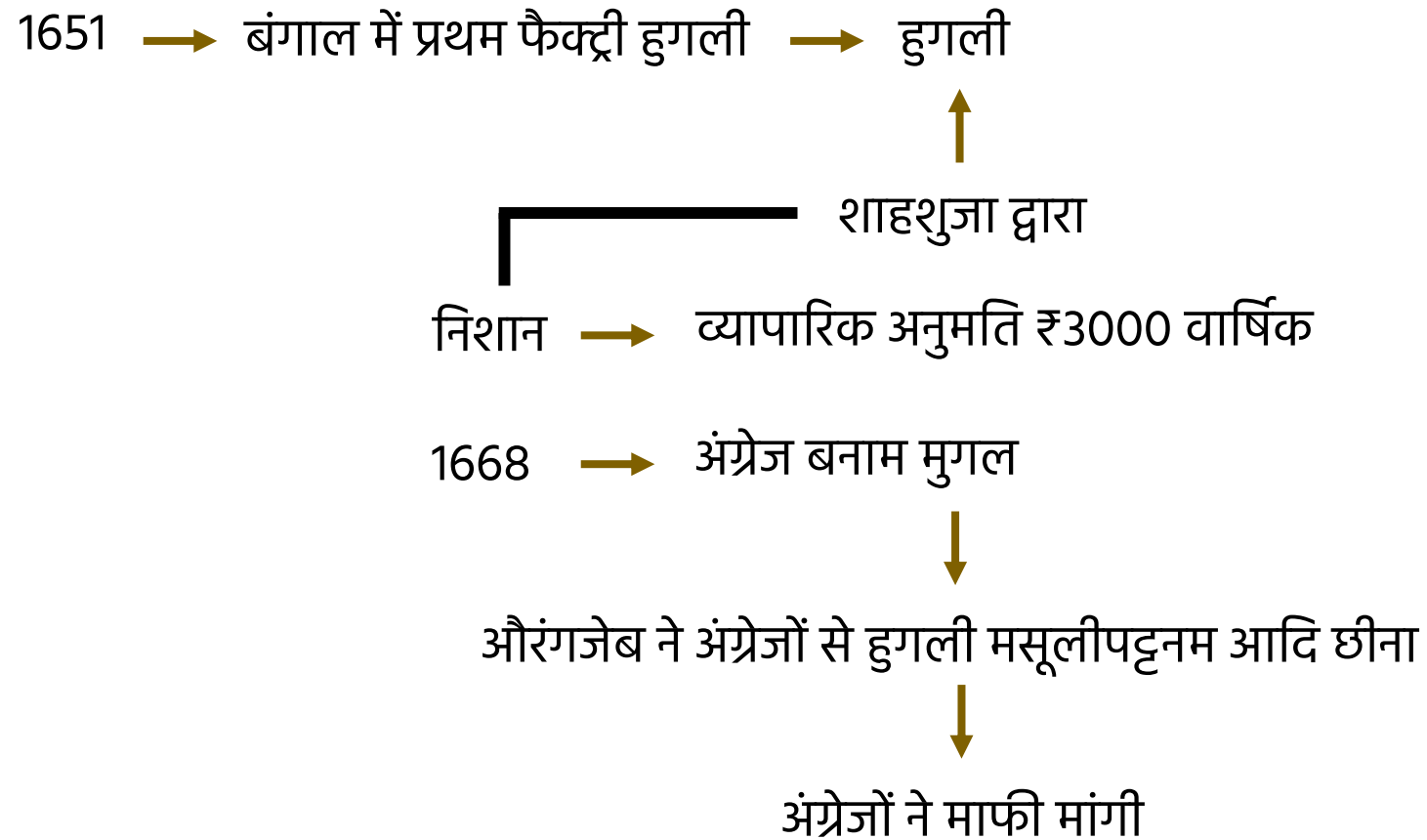
3) Sir Thomas Roe (1615-1619)



- 1) Came to Jahangir's court in 1615 as an ambassador of British Emperor James I
- 2) **Objective** :- Trade expansion in India
- 3) **Result** :- Permission to open factories in the territories of the Mughal Empire



3.2) औरंगजेब काल (1658-1707)



3.2) Aurangzeb Reign (1658-1707)

1651 → First factory Hooghly in Bengal → Hooghly



by shah-shuja

Nishan → Trade Permit ₹3000 p.a.

1668 → English vs Mughal



Aurangzeb snatched Hooghly Masulipatnam etc. from the British.



The British apologized



1698

→ बंगाल के तीन गांव

- कालीकट
- सूतानती
- गोविंदपुर

जमीनदारी

जॉब चरनॉक के द्वारा कलकाता फोर्ट विलियम की स्थापना

1717

→ फरुखसियर

→ शाही फरमान

- ₹3000 वार्षिक कर - बंगाल
- ₹10000 वार्षिक कर - सूरत
- बम्बई में कंपनी द्वारा ढाले गए सिक्कों को संपूर्ण मुगल राज्य में चलाने की आज्ञा मिल

जॉन सरमन मिशन व डॉक्टर हैमिल्टन

मैग्राकार्टा ऑफ कंपनी

नोट → स्वर्ण फरमान → गोलकुंडा

500 → 1632

1698

→ Three villages of bengal

- Kalikata
- Sutanuti
- Gobindapura

→ Zamindari

↓
Establishment of Calcutta Fort William by Job Charnock

1717

→ Faruksiyar

→ Royal decree

- ₹3000 Annual Tax - Bengal
- ₹10000 Annual Tax - Surat
- In Bombay, the coins minted by the Company were allowed to run throughout the Mughal state.

↑
John Sarman Mission and Doctor Hamilton

↓
Magna Carta of Company

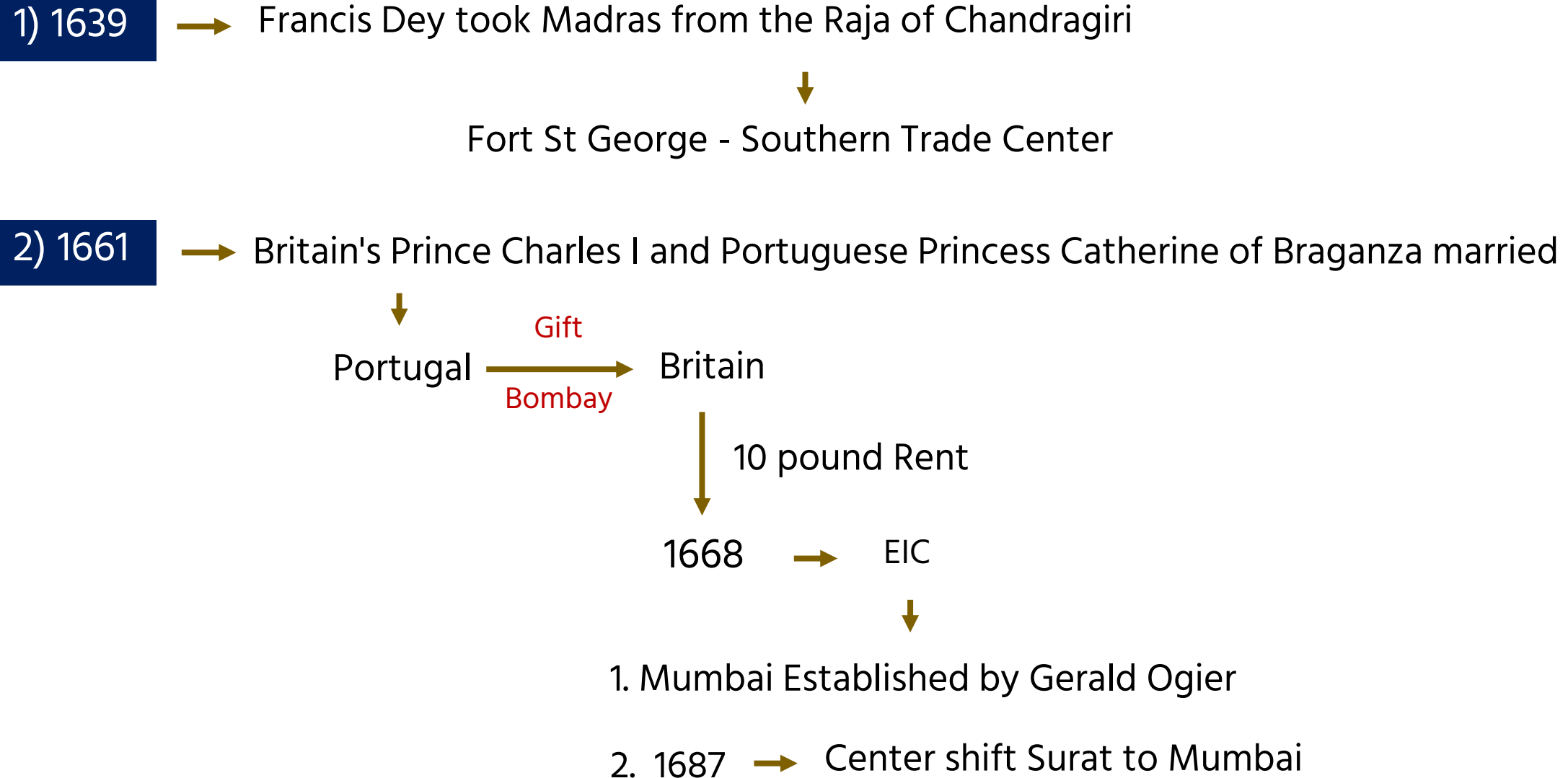
Note → Golden decree → Golkonda

↓
500 → 1632

4) दक्षिण भारत में विस्तार || Expansion to South India

- 1) 1639 → फ्रांसीस डे ने चंद्रगिरी के राजा से मद्रास लिया
↓
फोर्ट सेंट जॉर्ज - दक्षिण व्यापार केंद्र
- 2) 1661 → ब्रिटेन राजकुमार चार्ल्स प्रथम व पुर्तगाली राजकुमारी कैथरीन ऑफ ब्रेगेन्जा का विवाह
↓
पुर्तगाल → ^{Gift}_{Bombay} → ब्रिटेन
↓ 10 पाउंड किराया
1668 → EIC
↓
1. गेराल्ड ओगियर द्वारा मुंबई स्थापना
2. 1687 → सूरत से मुंबई केंद्र बना

4) Expansion to South India

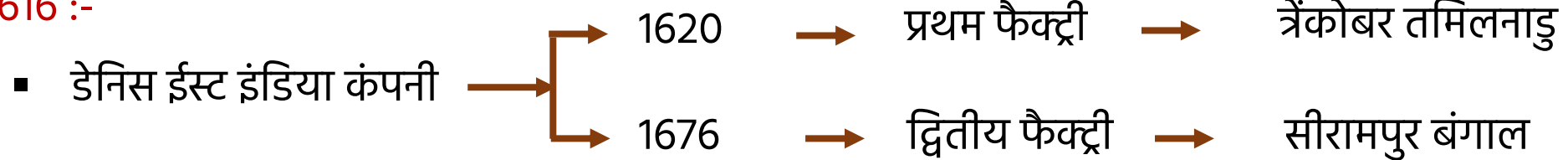


7) डेनिस || Danish - डेनमार्क के निवासी



1. डेनमार्क की कंपनी

2. 1616 :-



3. 1845 → अंग्रेजों को सभी फैक्ट्री बेच कर चले गए

7) Danish - Residents of Denmark



1. Danish company

2. 1616 :-

- Danish East India Company →
 - 1620 → First factory → Tranquebar tamil nadu
 - 1676 → Second factory → Serampore Bengal

3. 1845 → Sold all factories to the British and left

8) फ्रांसीसी || French

2) अन्य तथ्य

4) प्रथम कर्नाटक युद्ध

6) तृतीय कर्नाटक युद्ध

8) ब्रिटेन की सफलता के कारण

01



02



03



04



05



06



07



08



1) कंपनी की स्थापना

3) डुप्ले की नीतियां

5) द्वितीय कर्नाटक युद्ध

7) फ्रांस की असफलता के कारण

8) French

2) Other facts

4) First Carnatic War

6) Third Carnatic War

8) Reasons for the success of Britain

01



02



03



04



05



06



07



08



1) Establishment of Company

3) Dupleix's Policies

5) Second Carnatic War

7) Reasons for the failure of France

1) कम्पनी की स्थापना || Establishment of company

फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी || Compagnie française pour le commerce des Indes Orientales (1664)

संस्थापक :-

कोल्बर्ट(लुई 14) के
वित्त मंत्री

पूर्णतः सरकारी
कम्पनी

प्रथम अभियान :-
फ्रांसिस कैरो, जो
1668 में सूरत पहुंचा

भारतीय मुख्यालय :-
पुडुचेरी (फ्रांसिस
मार्टिन द्वारा स्थापित)

1742 में डूप्ले के
आगमन पश्चात
विस्तारवादी नीति



1) Establishment of company

Compagnie française pour le commerce des Indes Orientales (1664)

Founder :- Colbert
(Louis 14) Finance
Minister

Wholly government
company

First Expedition :-
Francis Caron, who
reached Surat in
1668

Indian Headquarters
:- Puducherry
(founded by Francois
Martin)

Expansionist policy
after the arrival of
Dupleix in 1742



2) अन्य तथ्य || Other Facts

1664

- FEIC की स्थापना

1668

- फ्रांसीसी कैरो के नेतृत्व में सूरत में प्रथम फैक्ट्री

1669

- मसूलीपट्टनम में द्वितीय फैक्ट्री

1674

- वलीकोड़ापुरम के शासक से जमीन ले कर पांडिचेरी की स्थापना (संस्थापक - फ्रांसिस मार्टिन - फ्रांसीसी बस्तियों का संस्थापक)

1674

- बंगाल में चन्द्रनगर में बस्ती

1693

- यूरोप में डच फ्रांस युद्ध के कारण डचों ने पांडिचेरी छीना

1697

- रिजविक की सन्धि द्वारा फ्रांस को पांडिचेरी वापस मिला

1721

- मॉरीशस

1724

- माहे

1739

- कराईकल

1742

- डूप्ले फ्रांसीसी गवर्नर बना तथा भारत में फ्रांसीसी साम्राज्यवादी नीति का आरम्भ

2) Other Facts

1664

- Establishment of FEIC

1668

- First factory in Surat under the leadership of Francis Caron

1669

- Second Factory in Machilipatnam

1674

- Establishment of Pondicherry by taking land from the ruler of Valikodapuram (Founder – Francis Martin – Founder of French Settlements)

1674

- Colony in Chandranagar in Bengal

1693

- Dutch captured Pondicherry due to Dutch-France war in Europe

1697

- Pondicherry was returned to France by the Treaty of Ryswick.

1721

- Mauritius

1724

- Mahe

1739

- Karaikal

1742

- Dupleix became the French governor and started the French imperialism policy in India.

3) डुप्ले की नीतियां || Dupleix's Policies



1742 तक मात्र व्यापार | Mere trade till 1742

↓
1742 → डुप्ले को फ्रांसीसी गवर्नर || Joseph François Dupleix - French Governor

↓
साम्राज्य विस्तार || Empire expansion

1. भारतीयों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप

2. एक प्रकार की सहायक संधि व्यवस्था

3. व्यापारिक और राजनीतिक महत्वाकांक्षा

↓
अंग्रेजों से संघर्ष

↓
3 कर्नाटक युद्ध

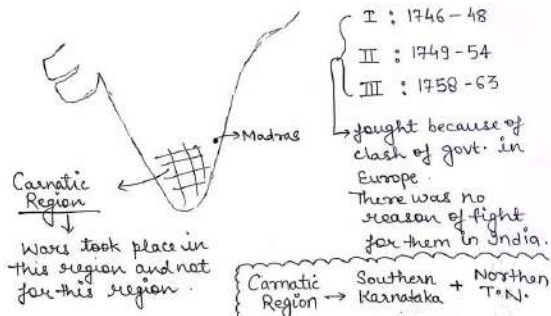
प्रथम कर्नाटक युद्ध
(1746-1748)

द्वितीय कर्नाटक युद्ध
(1749-1754)

तृतीय कर्नाटक युद्ध
(1758-1763)

CARNATIC WARS

(In the background of Anglo French Rivalry)



3) Dupleix's Policies



Only trade till 1742



↓

Expansion of Empire

1. Interference in the internal affairs of Indians

2. A kind of subsidiary alliance

3. Commercial and Political ambitions

↓

Struggle with the British

↓

3 Carnatic War

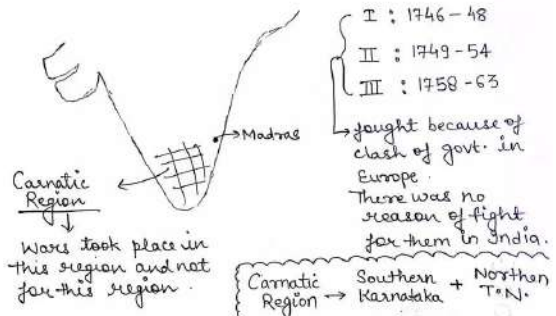
First Carnatic War
(1746-1748)

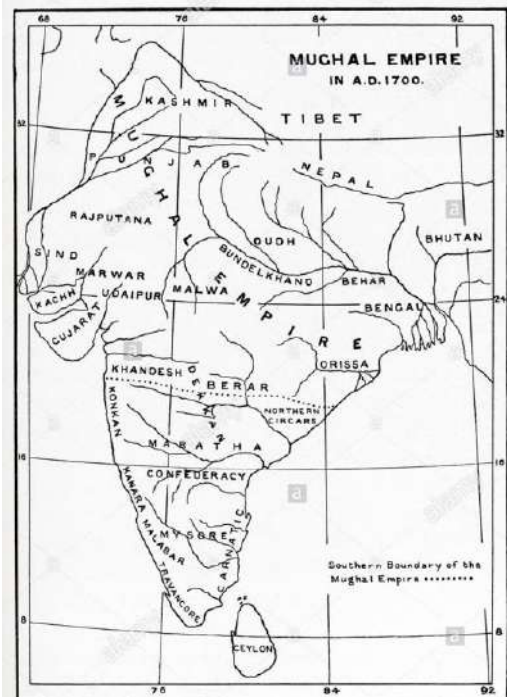
Second Carnatic War
(1749-1754)

Third Carnatic War
(1758-1763)

CARNATIC WARS

(In the background of Anglo French Rivalry)





4) प्रथम कर्नाटक युद्ध (1744-48) First Carnatic War (1744-48)

कारण || Reason

01



महत्व || Importance

04



02



महत्वपूर्ण घटनाएं || important events

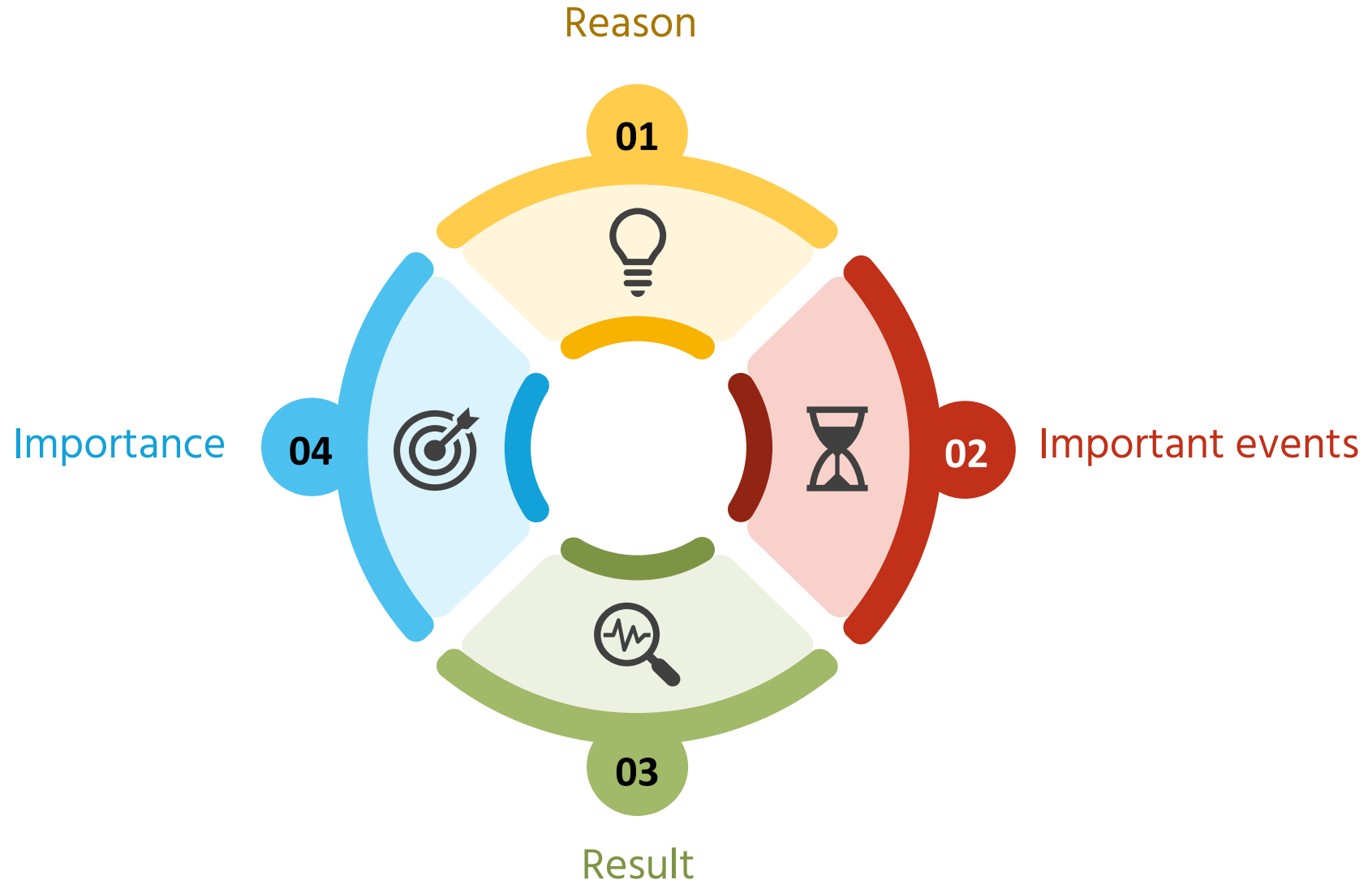
03



परिणाम || Result



4) First Carnatic War (1744-48)



1) कारण :-

आंग्ल फ्रांसीसी व्यापारिक द्वंदता

ऑस्ट्रियाई उत्तराधिकार युद्ध (1740)

- ऑस्ट्रिया सम्राट चार्ल्स VI की मृत्यु
- मारिया थेरेसा (ब्रिटेन) बनाम फ्रांस
- किंग जॉर्ज युद्ध (उत्तर अमेरिका), प्रथम कर्नाटक युद्ध (भारत), सिलसियन युद्ध
- फ्रांसीसी दार्शनिक वॉल्टेयर - अपने देश में छोड़े गए तोप के प्रथम गोले ने अमेरिका तथा एशिया में हमारे सारे तोपखाने में माचिस लगा दी



1) Reason :-

Anglo-French Trade Struggle

War of Austrian Succession (1740)

- Death of Austrian Emperor Charles VI
- Maria Theresa (UK) vs France

- King George's War (North America),
First Carnatic War (India), Cilician War

- French Philosopher Voltaire - First cannon fired in our country lit up all our artillery in America and Asia



2) महत्वपूर्ण घटनाएं

- 1) फ्रांसीसी गवर्नर डूप्ले ने कूटनीति द्वारा तत्कालीन कर्नाटक नवाब अनवरुद्दीन से शांति की अपील की हालांकि अंग्रेजी गवर्नर मोर्स ने इसे अस्वीकार किया
- 2) डूप्ले ने मॉरीशस के गवर्नर ला बुर्दने (La Bourdonnais) की सहायता से मद्रास पर कब्जा किया
- 3) सेंट थोमे / अड्यार का युद्ध(1746)

→ **कारण** - डूप्ले द्वारा मद्रास, कर्नाटक नवाब अनवरुद्दीन को न सौपना

→ **पक्ष** ↙
↘ फ्रांस - कैप्टन पैराडाइज
कर्नाटक - कर्नाटक नवाब पुत्र महफूज खां

→ **परिणाम** ↙
↘ फ्रांस की विजय
भारतीय शासकों की सैन्य अक्षमता की जानकारी

→ **ओर्म का कथन** - यूरोपीय जातियों को भारतीय नरेशों की सैनिक शक्ति का उस समय तक सही अंदाजा नहीं था, किंतु एक फ्रांसीसी टुकड़ी ने सम्पूर्ण सेना को हराकर उसका खोखलापन सिद्ध कर दिया



2) Important events:

- 1) French Governor Dupleix diplomatically appealed to then Carnatic Nawab Anwaruddin for peace, although the English Governor Morse rejected it.
- 2) Dupleix captured Madras with the help of La Bourdonnais, the governor of Mauritius.
- 3) Battle of St. Thome / Adyar(1746)

→ **Reason** - Dupleix not handed over Madras to Nawab of Karnataka Anwaruddin.

→ **Sides**

- France - Captain Paradise
- Karnataka - Mahfouz Khan son of Karnataka Nawab

→ **Result**

- Conquest of France
- Information of military incompetence of Indian rulers

→ **Orme's statement** - European nations did not have a correct idea of the military power of the Indian kings till that time, but a French squad defeated the entire army and proved its hollowness.



3) परिणाम :-

- 1) अनिर्णित
- 2) एक्स ला शापल की संधि (1748) द्वारा युद्ध समाप्ति



- यूरोप व अन्य स्थानों में युद्ध समाप्ति
- अंग्रेजों को मद्रास जबकि फ्रांसीसियों को उत्तर अमेरिका में लुइसबर्ग पुनः प्राप्त

- 1744-48 के मध्य अंग्रेज व फ्रांसीसी सेना के मध्य
- कारण :- ऑस्ट्रिया उत्तराधिकार युद्ध
- परिणाम :- अनिर्णित व एक्स ला शापेल की संधि द्वारा

4) महत्व :-

- 1) युद्ध के अंत में दोनों पक्ष पूर्ववत बने रहे । फिर भी भारतीय इतिहास में इस युद्ध का विशेष महत्व है
- 2) यूरोपीय जातियों की सैनिक प्रतिष्ठा स्थापित हो गयी
- 3) यूरोपीय जातियों को अनुभव हो गया कि देशी दरबारों की आंतरिक राजनीति में हस्तक्षेप करके अपार लाभ उठाया जा सकता है
- 4) जल शक्ति का महत्व भी स्पष्ट हो गया

3) Result :-

- 1) Inconclusive
- 2) End of war by the Treaty of Aix la Chapelle (1748)



- End of the war in Europe and other places
- British got Madras while the French regained Louisbourg in North America

- Between the British and the French army between 1744-48
- Reason:- Austrian Succession War
- Result:- Inconclusive and by Treaty of Aix La Chapelle

4) Importance :-

- 1) Both sides remained undefeated at the end of the war. Yet this war has special significance in Indian history.
- 2) The military prestige of the European nations was established.
- 3) The European nations realized that by interfering in the internal politics of the native courts, immense gains could be made.
- 4) The importance of naval power also became clear.

5) द्वितीय कर्नाटक युद्ध (1749-54) Second Carnatic War (1749-54)

कारण || Reason

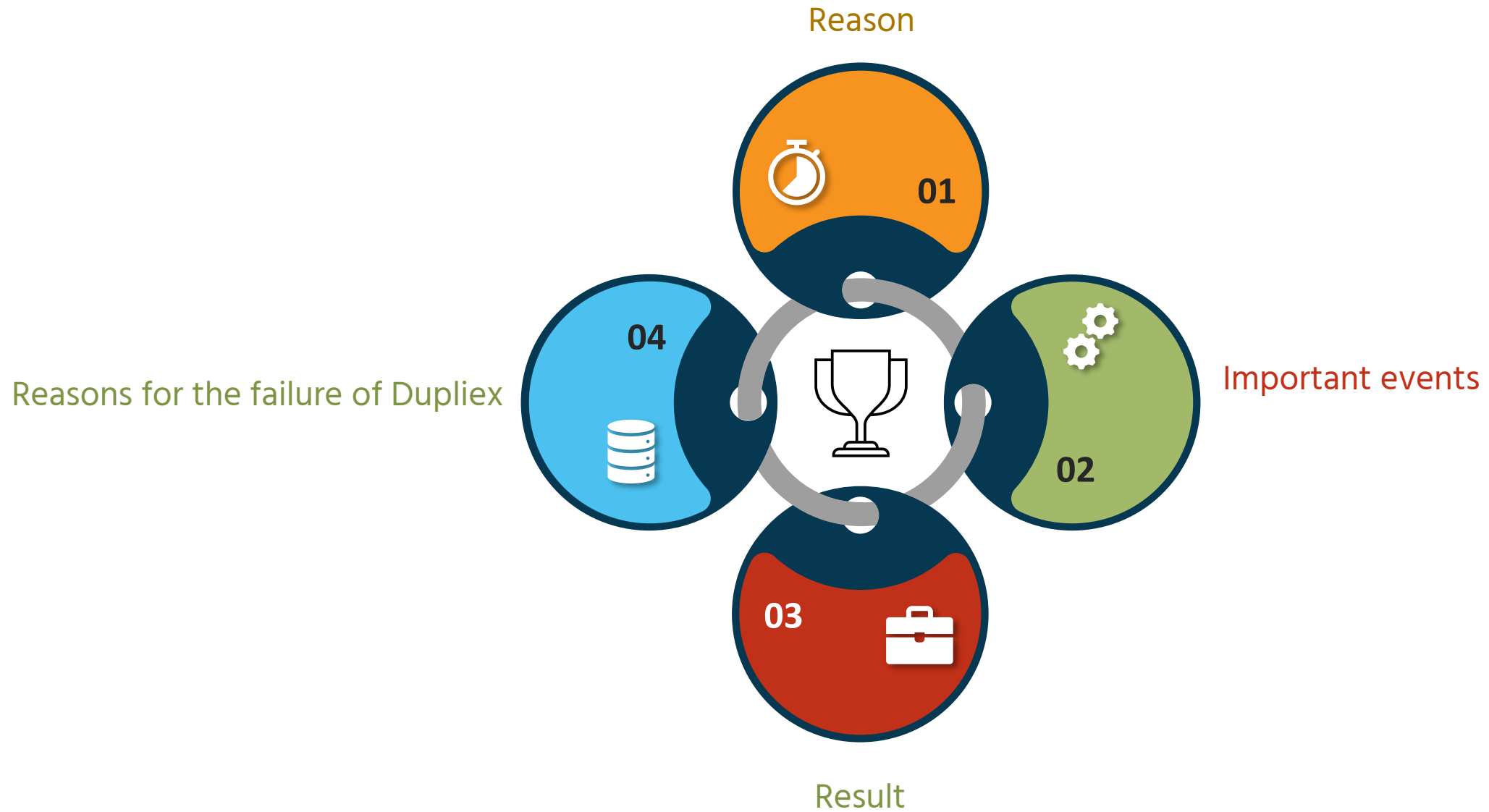
डूप्ले की असफलता के कारण ||
Reasons for the failure of
Duplay



महत्वपूर्ण घटनाएं || important
events

परिणाम || Result

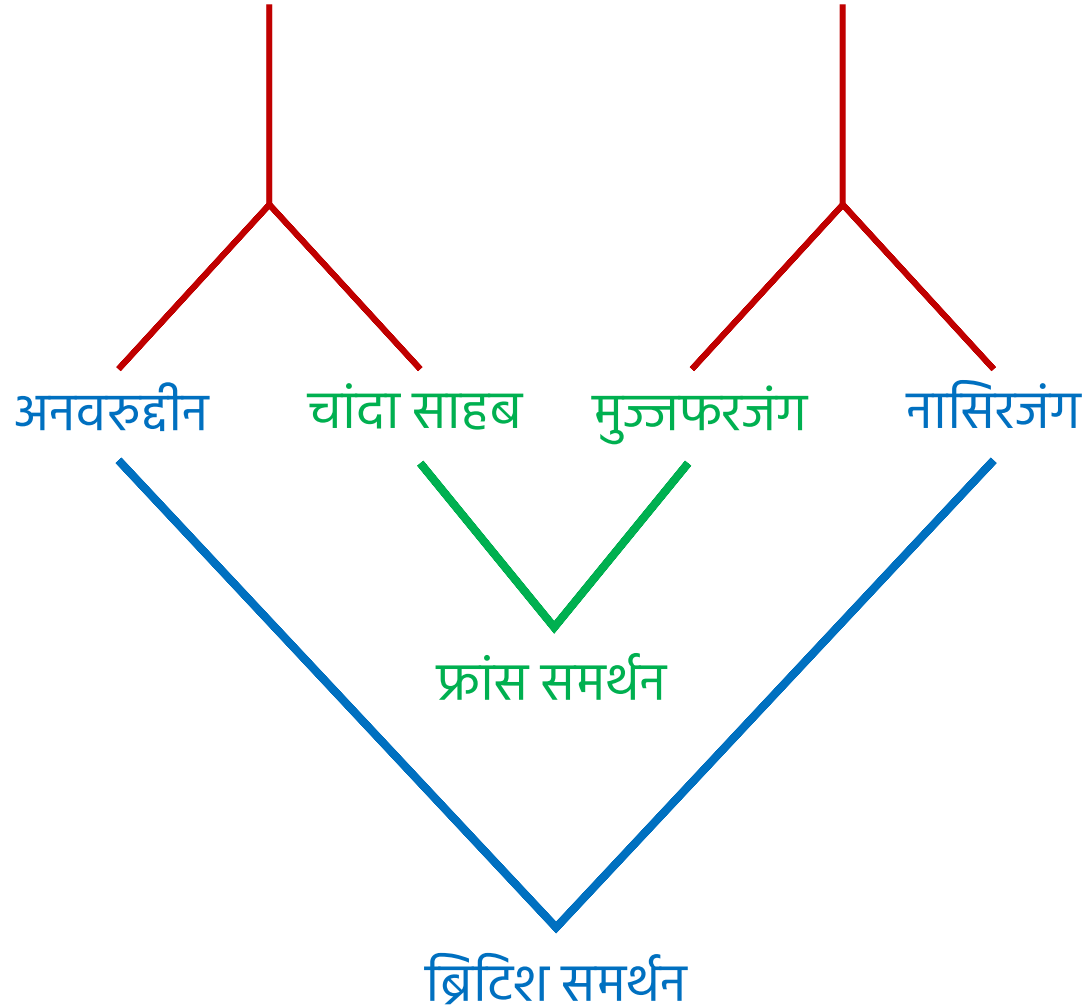
5) Second Carnatic War (1749-54)



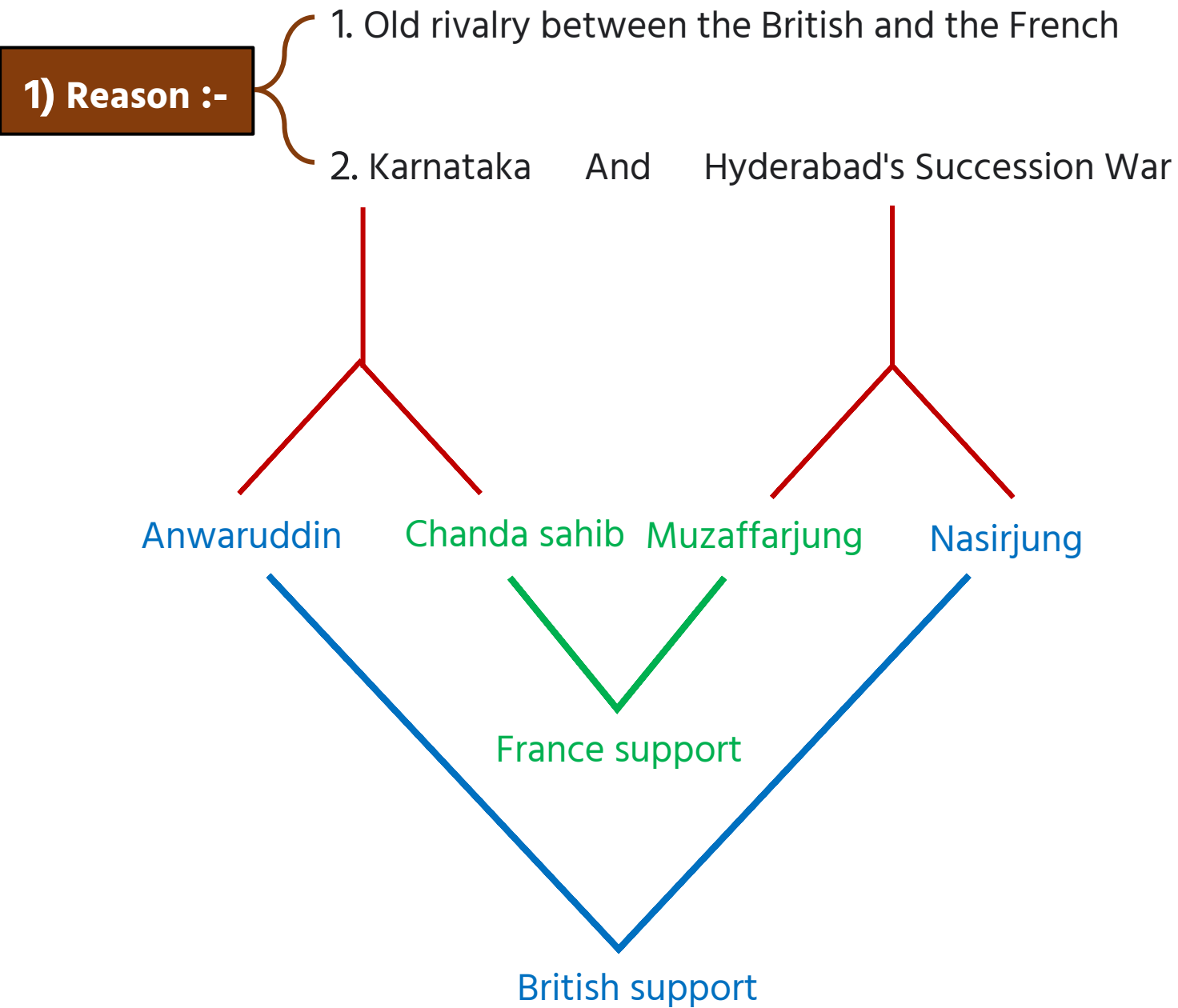
1) कारण :-

1. अंग्रेजों व फ्रांसीसियों की पुरानी शत्रुता

2. कर्नाटक व हैदराबाद के उत्तराधिकार युद्ध



- 3) अंबर का युद्ध (1749) - चंदा साहब, मुज्जफरजंग व फ्रांसीसियों ने अनवरुद्दीन को हराकर कर्नाटक पर अधिकार किया
- 4) सेंट टोमे पर अंग्रेजों का अधिकार
- 5) तंजौर का उत्तराधिकार युद्ध (फ्रांस को कराईकल (1738) व अंग्रेजों को कोटाई (1749) मिला)



- 3) Battle of Amber (1749) - Chanda Sahib, Muzzafarjung, and French defeated Anwaruddin and captured Karnataka.
- 4) British possession of St. Thomas.
- 5) Succession War of Tanjore (French got Karaikal (1738) and British got Kotai (1749))

2) महत्वपूर्ण घटनाएं

- 1) डूप्ले व बुस्सी की सहायता से हैदराबाद में फ्रांसीसी प्रभुत्व
- 2) **त्रिचनापल्ली का घेरा** - अनवरुद्दीन के पुत्र मोहम्मद अली, अंग्रेजों मद्रास गवर्नर सांडर्स, तंजौर शासक बनाम फ्रांसीसी
- 3) **अर्काट का घेरा (1751)** - रॉबर्ट क्लाइव बनाम रजा खां (चंदा साहिब का पुत्र), इससे रॉबर्ट क्लाइव की ख्याति फैली
- 4) रॉबर्ट क्लाइव व मेजर लॉरेंस ने मिलकर त्रिचनापल्ली में चंदा साहिब व फ्रांसीसी कमांडर लॉ को हराकर मोहम्मद अली को कर्नाटक का नबाव बनाया
- 5) डूप्ले की फ्रांस वापसी (1754) तथा गोड्यू (नवीन फ्रांसीसी गवर्नर) द्वारा पांडिचेरी की संधि

2) Important events

- 1) French dominance in Hyderabad with the help of Dupleix and Bussy
- 2) [Seige of trichanapally](#) - Muhammad Ali- son of Anwaruddin, British Madras Governor Saunders, Ruler of Tanjore vs French
- 3) [Siege of Arcot \(1751\)](#) - Robert Clive Vs Raza Khan (Son of Chanda Sahib), This led to the rise of Robert Clive
- 4) Robert Clive and Major Lawrence together defeated Chanda Sahib and French Commander Lally at Trichanapalli and made Muhammad Ali as the Nawab of Karnataka.
- 5) Dupleix's return to France (1754) and the Treaty of Pondicherry by Godeau (the new French governor)

3) परिणाम :-

→ 1) अनिर्णायक, परन्तु अंग्रेजी प्रधानता

→ 2) पांडिचेरी की संधि (1755)



द्वितीय कर्नाटक युद्ध के बाद फ्रांसीसी गवर्नर गोडेह्यू तथा अंग्रेजों के मध्य सन्धि

प्रावधान { दोनों कम्पनियां भारतीय राज्यों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी
एक दूसरे के विजित प्रदेशों की वापसी

डूप्ले - गोडेह्यू ने अपने देश की बरबादी तथा राष्ट्र के अपमान पर हस्ताक्षर किए

→ 3) अंग्रेजों का कर्नाटक फ्रांसीसीओं का हैदराबाद पर प्रभाव

3) Result :-

→ 1) Inconclusive, but English had dominance

→ 2) Treaty of Pondicherry (1755)



≠ Treaty between the French Governor Godeau and the British after the Second Carnatic War

≠ Provision { Both the companies will not interfere in the internal affairs of Indian states.
Return of conquered territories each other's.

≠ Dupleix - Godeau signed the ruin of his country and the disgrace of the nation

→ 3) British influence on Carnatic and French influence on Hyderabad

4) डूप्ले की असफलता के कारण

- 1) फ्रांस से समय पर सहायता न मिलना
- 2) फ्रांसीसी कम्पनी की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी
- 3) डूप्ले ने स्वयं व्यापार की ओर कम ध्यान दिया
- 4) डूप्ले ने बुसी को हैदराबाद भेजकर भूल की
- 5) डूप्ले को जिन सेनानायकों पर निर्भर रहना पड़ा वे निकम्मे साबित हुए
- 6) अंग्रेजों की सामुद्रिक शक्ति फ्रांस की तुलना में कहीं अधिक थी

4) Reasons for the failure of Dupleix

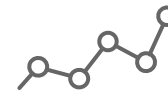
- 1) France didn't get help at the right time
- 2) Financial condition of the French company was very bad.
- 3) Dupleix himself paid little attention towards trade.
- 4) Dupleix made a mistake by sending Bussy to Hyderabad.
- 5) The generals on which Dupleix had to rely on proved useless.
- 6) Maritime power of the British was far greater than that of France

6) तृतीय कर्नाटक युद्ध (1756-63) Third Carnatic War (1756-63)



1) कारण || Reason

3) पेरिस की संधि (1763)



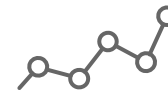
2) महत्वपूर्ण घटनाएं

6) Third Carnatic War (1756-63)



1) Reason

3) Treaty of Paris (1763)



2) Important events

1) कारण :-

- 1) आंग्ल फ्रांसीसी व्यापारिक और राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता
- 2) यूरोप का सप्तवर्षीय युद्ध (1756)

2) महत्वपूर्ण घटनाएं

- 1) क्लाइव का चन्द्रनगर पर अधिकार (नवंबर 1756)
- 2) काउंट लाली (फ्रांसीसी सेनापति) द्वारा अंग्रेजों के अंग्रेजों के फोर्ट सेंट डेविस पर अधिकार
- 3) फ्रांस द्वारा असफल मद्रास का घेरा (1758-59)
- 4) वाण्डीवाश का युद्ध (अक्टूबर 1759)
 - **पक्ष** - अंग्रेज (आयरकूट) बनाम फ्रांस (लाली)
 - **कारण** - यूरोप में सप्तवर्षीय युद्ध व भारत में तृतीय कर्नाटक युद्ध

- **परिणाम** - फ्रांसीसी पराजय तथा पांडिचेरी पर अंग्रेजों का अधिकार
- **समापन** - पेरिस की संधि (1763)

3) पेरिस की संधि (1763)

- 1) यूरोप में अंग्रेजों तथा फ्रांस के मध्य की संधि जिसके द्वारा सप्तवर्षीय व तृतीय कर्नाटक युद्ध समाप्त हुआ
- 2) पांडिचेरी तथा चंद्र नगर फ्रांसीसियों को लौटा दिए गए
 - ≠ किंतु उन पर यह शर्त लगा दी गई कि वे भारत में सेना नहीं रख सकेंगे
 - ≠ इसके बाद फ्रांसीसियों ने अंग्रेजों का विरोध करना बंद कर दिया, फ्रांसीसी केवल व्यापार तक ही सीमित रह गए

1) Reasons :-

- 1) Anglo-French commercial and political rivalry
- 2) Seven Years' War of Europe (1756)

2) Important events




- 1) Chandranagar captured by Clive. (November 1756)
- 2) Count de Lally (French general) captured British Fort St. Davis.
- 3) Unsuccessful siege of Madras by France (1758-59)
- 4) Battle of wandiwash (October 1759)
 - **Sides** - British (Ayerkoot) vs. France (Lally)
 - **Reason** - Seven Years War in Europe and Third Carnatic War in India.

- **Result** - British defeated French and took over Pondicherry
- **Conclusion**- Treaty of Paris (1763)







3) Treaty of Paris (1763)

- 1) Treaty between British and France in Europe by which Seven Year War and Third Carnatic War ended
- 2) Pondicherry and Chandranagar were returned to French.
 - ⌘ But condition was imposed on them that they won't keep army in India.
 - ⌘ After this French stopped opposing British, they were confined to trade only.

कर्नाटक युद्ध | Karnataka war

युद्ध	कारण	परिणाम	विशेषता						
प्रथम कर्नाटक युद्ध (1746-1748)	ऑस्ट्रिया के उत्तराधिकार के युद्ध	ऑक्सा- ला- शैपेल की संधि	1. डूप्ले बनाम मोर्स 2. अड्यार की लड़ाई / सेंट थोम की लड़ाई (1746) 3. कैप्टन पैराडाइज → फ्रांस अनवउद्दीन → कर्नाटक 						
द्वितीय कर्नाटक युद्ध (1749-1754)	हैदराबाद और कर्नाटक के विवादास्पद उत्तराधिकारियों के मुद्दे पर	पांडिचेरी की संधि	1. अंबार की लड़ाई (1749) 2. डूप्ले की वापसी → गोडेहु नया गवर्नर <table border="1" data-bbox="1572 751 2333 929"><tr><td>हैदराबाद</td><td>नासिरजंग</td><td>मुजफ्फरजंग</td></tr><tr><td>कर्नाटक</td><td>अनवउद्दीन</td><td>चंदासाहब</td></tr></table> 	हैदराबाद	नासिरजंग	मुजफ्फरजंग	कर्नाटक	अनवउद्दीन	चंदासाहब
हैदराबाद	नासिरजंग	मुजफ्फरजंग							
कर्नाटक	अनवउद्दीन	चंदासाहब							
तृतीय कर्नाटक युद्ध (1758-1763)	सप्तवर्षीय युद्ध का भारत में विस्तार (1756-63)	पेरिस की संधि	1. फ्रांस गवर्नर - लाली 2. वांडीवाश का युद्ध - 12 जनवरी 1760  आयरकूट (अंग्रेज) लाली (फ्रांस)						

कर्नाटक युद्ध || Carnatic War

war	Reason	Result	Important Points						
First Carnatic War (1746–1748)	Succession war of Austria	Treaty of Axe la Chapelle	1. Duple vs Morse 2. Battle of Adyar / Battle of St. Thome (1746) 3. Captain Paradise  Freanch Anawuddin  Karnataka VS						
Third Carnatic War (1758-1763)	On the issue of controversial heirs of Hyderabad and Karnataka	Treaty of Pondicherry	1. The Battle of Ambur (1749) 2. Return of duple  Godheu new governor <table border="1" data-bbox="1546 706 2433 885"><tr><td>Hyderabad</td><td>Nasirjung</td><td>Muzaffarjung</td></tr><tr><td>Karnataka</td><td>Anawuddin</td><td>Chandasaheb</td></tr></table> <div data-bbox="1903 885 2030 973"> British</div> <div data-bbox="2160 885 2285 973"> France</div>	Hyderabad	Nasirjung	Muzaffarjung	Karnataka	Anawuddin	Chandasaheb
Hyderabad	Nasirjung	Muzaffarjung							
Karnataka	Anawuddin	Chandasaheb							
Third Carnatic War (1758-1763)	Seven Year War in Europe (1756-63)	Treaty of Paris	1. France governor Laly 2. Battle of Wandiwash (12 January 1760)  3. Eyre Coote (British) Laly (France)						

7) फ्रांसीसियों की पराजय के कारण

- 1) फ्रांस की यूरोप में साम्राज्यवादी नीति जिससे वह अनावश्यक युद्धों में उलझा रहा
- 2) अंग्रेजों की व्यापारिक तथा आर्थिक श्रेष्ठता :- फ्रांसीसियों की तुलना में अंग्रेजों ने 1736 से 1756 के बीच लगभग 2.50 अधिक व्यापार किया
- 3) कंपनी का स्वरूप :- फ्रांसीसी कंपनी एक सरकारी संस्था थी जबकि अंग्रेजी कंपनी प्राइवेट कंपनी थी
- 4) अंग्रेजों की बंगाल विजय :- बंगाल पर विजय प्राप्त कर लेने के बाद अंग्रेजों की प्रतिष्ठा तो बढ़ी ही साथ ही उसे बंगाल का अपार धन एवं जनशक्ति भी प्राप्त हुई
- 5) डूप्ले की फ्रांस वापसी :- फ्रांसीसियों की असफलता का यह एक मुख्य कारण बना कि फ्रांस सरकार ने गलत निर्णय के द्वारा 1754 ई में डूप्ले को वापस बुला लिया
- 6) लाली की अदूरदर्शिता :- लाली एक क्रोधी, अदूरदर्शी और कटुभाषी व्यक्ति था इसलिए उसके नेतृत्व में फ्रांसीसी अधिकारियों ने पूर्ण निष्ठा नहीं दिखाई
- 7) यूरोपीय राजनीति :- भारत में आंग्ल फ्रांसीसी संघर्ष के दौरान फ्रांस यूरोप के अनेक देशों के साथ युद्ध में उलझा हुआ था
- 8) फ्रांसीसी जल सेना का कमजोर होना

7) Causes of French defeat

- 1) France's imperialist policy in Europe kept it involved in non-essential wars.
- 2) **Trade and economic superiority of British:** - British made 2.50 times more trade than French between 1736 and 1756.
- 3) **Type of Company:-** French company was a government entity while British company was private company
- 4) **British conquest of Bengal:** - After conquering Bengal, prestige of the British increased, as well as immense wealth and manpower also increased.
- 5) **Dupleix's return to France :-** One of the main reasons for the failure of the French government was their wrong decision to recall Dupleix in 1754 AD.
- 6) **Short-sightedness of Lally:-** Lally was an angry, short-sighted and bitter-spoken person, French officers under his leadership did not show full loyalty to him.
- 7) **European Politics :-** During the Anglo-French conflict in India, France was involved in war with many countries of Europe.
- 8) Weakening of the French navy

8) अंग्रेजों की सफलता के कारण

- 1) EIC का निजी व प्रतिस्पर्धात्मक स्वरूप
- 2) नौसैनिक सर्वोच्चता
- 3) द्वीपीय देश होने के कारण इंग्लैंड की बेहतर भौगोलिक स्थिति
- 4) इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति
- 5) इंग्लैंड में स्थिर शासन व्यवस्था तथा संसाधनों की पर्याप्तता
- 6) बेहतर आर्थिक नीति व ऋण बाजार का उपयोग
- 7) धर्म के प्रति न्यून उत्साह

8) Reasons for the success of British

- 1) Private and Competitive Nature of EIC
- 2) Naval supremacy
- 3) Being an island country England gets a superior geographical location.
- 4) Industrial Revolution in England
- 5) Stable governance and adequacy of resources in England
- 6) Better economic policy and use of credit market
- 7) Low enthusiasm for religion

Quick Revision

- 1) 1664 : फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कम्पनी 'इंडेसे ओरियंटलेस' की स्थापना । Establishment - French East India Company
- 2) 1746-48 (प्रथम कर्नाटक युद्ध) : फ्रांसीसियों व कर्नाटक के नवाब अनवरुद्दीन के मध्य । Between the French and the Nawab of Karnataka Anwaruddin
- 3) 1746 : सेंट टोमे के युद्ध में फ्रांसीसियों की विजय । The victory of the French in the Battle of St. Tomé
- 4) 1748 : एक्स-ला-शापेल की संधि व प्रथम कर्नाटक युद्ध की समाप्ति । Treaty of X-La-Shapel and the end of the First Carnatic War
- 5) 1749-54 (द्वितीय कर्नाटक युद्ध) : हैदराबाद व कर्नाटक में उत्तराधिकार समस्या । Succession problem in Hyderabad and Karnataka
- 6) 1749 (अम्बुर का युद्ध) : चंदा साहेब कर्नाटक का नवाब बना । Chanda Saheb became the Nawab of Karnataka
- 7) 1754 : पांडिचेरी की संधि व द्वितीय कर्नाटक युद्ध समाप्त । Treaty of Pondicherry and Second Karnataka War ended
- 8) 1758-63 (तृतीय कर्नाटक युद्ध) : ब्रिटिश एवं फ्रांसीसियों के मध्य । Between the British and the French
- 9) 1760 : वॉडीवाश युद्ध में ब्रिटिशों की विजय । British victory in Wadiwash war
- 10) 1763 : पेरिस की संधि । Treaty of Paris

9) अन्य तथ्य || Other facts

- 1) सम्भवतः मध्ययुग की किसी भी अन्य घटना का सम्य संसार पर इतना प्रभाव नहीं पड़ा, जितना कि भारत जाने के समुद्री मार्ग खुल जाने से उक्त कथन किस इतिहासकार का है - **डाइवेल का**
- 2) किस पुर्तगाल वायसराय की समाधि कोचीन में है - **वास्कोडिगामा**
- 3) किस पुर्तगाली शासक ने 15वीं शताब्दी में समुद्री यात्राओं को सम्भव बनाने के दिक् सूचक तथा नक्षत्र यन्त्र का अविष्कार एवं उपयोग करवाया - **डॉक हेनरिक ने**
- 4) पांडिचेरी (वर्तमान पुदुच्चेरी) पर कब्जा करने वाली यूरोपीय शक्ति कौन थी - **पुर्तगाली(दूसरी डच, तीसरी 1793 में अंग्रेज और 1814 में पेरिस सन्धि के बाद पांडिचेरी पर फ्रांस का अधिकार हुआ)**
- 5) हुगली को बंगाल की खाड़ी में समुद्री लूटपाट के लिए किसने अड्डा बनाया था - **पुर्तगालियों ने (इसी कारण 1632 में मुगल बादशाह शाहजहां ने हुगली में पुर्तगाली बस्तियों को नष्ट कर दिया था)**
- 6) पुर्तगाल दूत अंतानियों कैब्राल किसके शासन काल में भारत आया था - **अकबर के**
- 7) स्पाइस आइलैंड(मसाला द्वीप) उपमा, पश्चिमी यूरोपीय देश एवं व्यापारी किस देश को प्रदान किये थे - **इंडोनेशिया को इसे ईस्ट इंडीज के नाम से भी जाना जाता था**
- 8) भारत में पुर्तगाली सामुद्रिक साम्राज्य को कौन सी उपमा दी जाती है - **एस्तादो द इंडिया**

9) Other facts

- 1) Possibly no other event of the Middle Ages had such an impact on the civilized world as the historian who has said the above statement due to the opening of the sea route to India - **Diwell's**
- 2) Which Portuguese Viceroy's tomb is in Cochin - **Vasco da Gama**
- 3) Which Portuguese ruler invented and used the compass and constellation to make sea voyages possible in the 15th century - **Doc Heinrich**
- 4) Who was the European power to capture Pondicherry (present Puducherry) - **Portuguese (second Dutch, third English in 1793 and Pondicherry was occupied by France in 1814 after the Treaty of Paris)**
- 5) Who made Hooghly a base for piracy in the Bay of Bengal - **Portuguese (for this reason Mughal emperor Shah Jahan destroyed Portuguese settlements in Hooghly in 1632)**
- 6) During whose reign the Portuguese envoy Antoni Cabral came to India - **Akbar's**
- 7) Spice Island (Spice Island) analogy, Western European countries and traders were given to which country - **Indonesia was also known as East Indies**
- 8) What is the name given to the Portuguese maritime empire in India - **Estado de India**

- 9) 1572 ई में पुर्तगाली गवर्नर बनने वाले एंटानियो द नोरोन्हा के समय अकबर कैम्बे गया था, जहां पुर्तगालियों से उसका पहली बार परिचय हुआ फलतः 1580 में जेसुइट मिशन अकबर के दरबार में आया त। इनमें फादर एकाबिवा व मांसरेट शामिल थे
- 10) अकबर की अनुमति से हुगली में तथा शाहजहां की अनुमति से बन्देल में पुर्तगालियों ने कारखाने स्थापित किये
- 11) पुर्तगालियों के विरुद्ध शाहजहाँ ने किस नगर को घेरा था - **हुगली को**
- 12) अल्फांसो डी अल्बुकर्क की मजार भारत में कहां स्थित है - **गोवा में**
- 13) भारत के साथ व्यापार के लिए सर्वप्रथम संयुक्त पूंजी कम्पनी किस यूरोपीय शक्ति ने आरम्भ की - **डचों ने(1602ई)**
- 14) डचों ने पुर्तगालियों को पराजित कर आधुनिक कोच्चि में किस फोर्ट का निर्माण किया था - **फोर्ट विलियम्स का 1663 में(1814 में कोच्चि ब्रिटिश उपनिवेश बन गया)**
- 15) पोर्टोनोवो एक समृद्ध कपड़ा उत्पादन केंद्र था
- 16) मसूलीपट्टनम और सूरत से डचों द्वारा नील निर्यात किया जाता था
- 17) पुलीकट में डच अपने स्वर्ण पैगोडा (सिक्के) ढालते थे
- 18) डच व्यापारिक व्यवस्था सहकारिता अर्थात कार्टल पर आधारित थी
- 19) डच फैक्ट्रियों के प्रमुखों को फैक्टर कहा जाता था
- 20) 1608 में टॉमस एडवर्थ के अधीन अंग्रेजों ने सर्वप्रथम सूरत में कारखाना लगाया और उसी वर्ष इंग्लैंड के राजा जेम्स प्रथम के दूत के रूप में कैप्टन हॉकिन्स सूरत पहुंचा। वह जहांगीर के दरबार में 1609 में पहुंचा

- 9) Akbar went to Cambay during the time of Antonio de Noronha, who became the Portuguese governor in 1572 AD, where he was first introduced to the Portuguese, as a result of which the Jesuit mission came to Akbar's court in 1580. These included Father Ekabiwa and Manseret.
- 10) The Portuguese established factories in Hooghly with the permission of Akbar and in Bandel with the permission of Shah Jahan.
- 11) Which city was besieged by Shah Jahan against the Portuguese - Hooghly
- 12) Where is the tomb of Alfonso de Albuquerque located in India - in Goa
- 13) Which European power started the first joint capital company for trade with India - Dutch (1602 AD)
- 14) Which fort was built in modern Kochi by the Dutch after defeating the Portuguese - Fort Williams in 1663 (Kochi became a British colony in 1814)
- 15) Portonovo was a prosperous textile production center
- 16) Indigo was exported by the Dutch from Masulipatnam and Surat.
- 17) The Dutch minted their gold pagodas (coins) in Pulicat
- 18) The Dutch trading system was based on co-operation i.e. cartels
- 19) The heads of Dutch factories were called factors.
- 20) In 1608 the British under Thomas Edworth set up the first factory in Surat and in the same year Captain Hawkins reached Surat as an emissary of King James I of England. He reached Jahangir's court in 1609.

- 21) दक्षिण पूर्वी समुद्रतट पर अंग्रेजों ने अपनी पहली कोठी 1611 में मसूलीपट्टनम में स्थापित की। मसूलीपट्टनम गोलकुण्डा का प्रमुख बन्दरगाह था। यह हीरे, माणिक और कपड़े के व्यापार का प्रमुख व्यापारिक केंद्र था। यहां व्यापार को लेकर डचों तथा अंग्रेजों के बीच काफी परिस्पर्धा थी
- 22) 1632 ई में गोलकुंडा के सुल्तान ने अंग्रेजों को एक सुनहला फरमान दिया, जिसके मुताबिक पंकज सौ पैगोडा सालाना कर देने पर उन्हें गोलकुंडा राज्य के बंदरगाहों में स्वतन्त्रतापूर्वक व्यापार करने की अनुमति मिल गयी
- 23) 1639 ई में फ्रांसिस डे ने चन्द्रगिरि के राजा दरमेला वेंकटप्पा से मद्रास को पट्टे पर लिया था वहां पर एक किलाबंद कोठी का निर्माण किया जिसको फोर्ट सेंट जॉर्ज की संज्ञा से अभिहित किया गया सितम्बर, 1641 में कंपनी का मुख्यालय मसूलीपट्टनम से हटाकर मद्रास स्थित फोर्ट सेंट जॉर्ज में स्थानांतरित कर दिया गया
- 24) जॉब चरनॉक कलकत्ता का, गेरोल्ड अंगियार बम्बई का और फ्रांसिस डे मद्रास का संस्थापक था
- 25) भारत आने वाले प्रथम अंग्रेजी जहाज का क्या नाम था - **रैड ड्रेगन**
- 26) विलयम फिंच कौन था - कैप्टन हॉकिन्स के साथ भारत आने वाला यात्री जिसने अनारकली के दाँत कथा का उल्लेख किया है
- 27) नील की सबसे अच्छी किस्म कहां तैयार होती थी - **बयाना में**
- 28) मुगल सम्राट औरंगजेब और अंग्रेजों के बीच प्रथम मुकाबला कब और कहां हुआ - **1686 में हुगली में हुआ**
- 29) बंगाल का प्रथम चीफ एजेंट कौन था - **विलियम हैजेज (1681-84)**

- 21) The British established their first kothi in 1611 at Masulipatnam on the southeast coast. Masulipatnam was the main port of Golconda. It was a major trading center for the trade of diamonds, rubies and cloth. There was a lot of competition between the Dutch and the British regarding trade.
- 22) In 1632 AD, the Sultan of Golconda gave a golden decree to the British, according to which they were allowed to trade freely in the ports of Golconda state after paying a hundred pagodas annually.
- 23) In 1639, Francis Dey had leased Madras from Chandragiri's King Darmela Venkatappa and built a fortified kothi there, which was designated as Fort St. George. In September 1641, the company's headquarters were shifted from Masulipatnam to Fort St., Madras. moved to george
- 24) Job Charnock was the founder of Calcutta, Gerold Angiyar of Bombay and Francis de Madras
- 25) What was the name of the first English ship to come to India - **Red Dragon**
- 26) Who was William Finch - the traveler to India accompanied by Captain Hawkins who narrates the tooth story of Anarkali
- 27) Where was the best variety of indigo grown - **in earnest**
- 28) When and where did the first encounter between the Mughal emperor Aurangzeb and the British took place in Hooghly in 1686
- 29) Who was the first Chief Agent of Bengal - **William Hedges (1681-84)**

- 30) मुगल भारत में सुतिवस्त्र, नील, अफीम और चाय में से अंग्रेजी व्यापार की सर्वाधिक महत्वपूर्ण वस्तु क्या थी - सूती वस्त्र
- 31) किस अंग्रेज गवर्नर को औरंगजेब ने भारत से निष्कासित कर दिया था - सर जॉन चाइल्ड
- 32) इंटरपोलर कौन थे - एशिया के मुक्त व्यापार करने वाले अंग्रेज व्यापारी
- 33) सेंट थोमे या अडियार का युद्ध कब और किसके मध्य हुआ - कैप्टन पैराडाइज के अधीन फ्रांसीसी सेना एवं कर्नाटक के नबाव अनवरुद्दीन की सेना के बीच 1748ई में लड़ा गया, फ्रांसीसी सेना ने नवाब को हरा दिया
- 34) फिजियोक्रेट कौन थे - मुक्त व्यापार करने के पक्षधर फ्रांसीसी व्यापारी
- 35) फ्रांस के सम्राट लुई 14वें के प्रयासों के फलस्वरूप ही फ्रांसीसी धर्म प्रचारको एवं यात्रियों ने एशिया माइनर के रास्ते से भारत के लिए थल मार्ग की खोज की
- 36) कर्नाटक कोरोमंडल समुद्र तट और उसके पीछे का भूभाग था इसकी उत्तरी सीमा कुण्डलकप्पा नदी तथा दक्षिणी सीमा तंजौर का क्षेत्र था। इसकी राजधानी अर्काट थी। इसके प्रमुख शहरों में मद्रास, पांडिचेरी, बेलोर और त्रिचनापल्ली थे
- 37) पांडिचेरी कराईकाल यनम तथा माहे भारत की स्वतंत्रता के पश्चात भी फ्रांसीसी उपनिवेश बने रहे लेकिन फ्रांस की सरकार ने सदाशयता का परिचय देते हुए इन क्षेत्रों को नवंबर 1954 में भारत सरकार को स्थानांतरित कर दिया
- 38) लाली की असफलता से फ्रांसीसी सरकार उससे नाराज हो गई और उसे फ्रांस वापस बुलाकर 1763 में मृत्युदंड दे दिया
- 39) फ्रांसीसी सहायता से 1765 में एक आधुनिक शस्त्रागार की स्थापना कहाँ की गई - डिंडीगुल

- 30) What was the most important item of English trade in Mughal India out of Sutivastra, indigo, opium and tea - cotton cloth
- 31) Which British governor was expelled from India by Aurangzeb - Sir John Child
- 32) Who were the Interpolators - the British merchants doing free trade in Asia
- 33) When and between whom did the battle of St. Thome or Adyar take place - fought between the French army under Captain Paradise and the army of Nabav Anwaruddin of Carnatic in 1748 AD, the French army defeated the Nawab
- 34) Who were the physiocrats - French merchants in favor of free trade
- 35) As a result of the efforts of Emperor Louis XIV of France, French missionaries and travelers discovered the land route to India via Asia Minor.
- 36) Karnataka was the Coromandel Coast and the land behind it, its northern boundary was the Kundalakappa river and the southern border was the region of Tanjore. Its capital was Arcot. Its major cities were Madras, Pondicherry, Belor and Trichanapalli.
- 37) Pondicherry, Karaikal, Yanam and Mahe remained French colonies even after India's independence, but the French government, showing kindness, transferred these areas to the Indian government in November 1954.
- 38) The French government was angered by Lali's failure, and brought him back to France and executed him in 1763.
- 39) Where was a modern armory established in 1765 with French aid - Dindigul

40) 17 वीं शताब्दी में भारत और जावा के मध्य पर अपार प्रभुत्व किस यूरोपीय शक्ति का था - डचों का

41) अंग्रेजों ने डचों तथा फ्रांसीसियों को किन युद्ध में पराजित कर भारतीय व्यापार से बाहर कर दिया - क्रमशः वेदरा(1759) और वांडिवास युद्ध (1760)

40) Which European power had immense dominance between India and Java in the 17th century - Dutch

41) In which war did the British defeat the Dutch and the French and put them out of Indian trade - Vedra (1759) and Vandivas War (1760) respectively